लखनऊ

शुक्रवार 30 जनवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 160

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

खुशी पाने का सबसे आसान तरीका है किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश करना।

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत

जौनपुर। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुए सडक हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बुधवार की रात यादव नगर औरा में स्कार्पियो और बाइक की जोरदार टक्कर में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताते है कि 30 वर्षीय गुड्डू पुत्र रामलाल निवासी यादव नगर और उनके 35 वर्षीय जीजा संतोष निवासी पोखरिया लाला बाजार, सिकरारा, जौनपुर तथा 14 वर्षीय आकाश उर्फ सिपाही बैटरी लेकर तीनों बाइक से जा रहे थे तभी यादव नगर औरा के पास सामने से आ रही स्कार्पियो ने बाइक की जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों की ही मौके पर ही मौत हो गई। जबकि आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया।दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड मौके पर इक_ा हो गई । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के घरों में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि गुड्डू के बड़े भाई राहुल के बेटी के लडके की बरही का कार्यक्रम था जिसमें बिजली कट जाने के कारण बैटरी लेने के लिए घर से हाईवे स्थित टेंट हाउस पर गये। बैटरी लेने के बाद बैटरी कनेक्शन लगाने के लिए आकाश पुत्र स्वर्गीय रमाशंकर गौतम वह भी बाइक पर बैठ गया। तीनों जैसे ही बाइक लेकर घर की तरफ बढे जौनपुर की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही स्कार्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी।

1000 करोड़ की धोखाधड़ी में अलीपुर सहित कोलकाता में सीबीआई के छापे

कोलकाता। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित 1,000 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले के सिलसिले में अलीपुर सहित महानगर कोलकाता में कई स्थानों पर तड़के छापेमारी की। उक्त खबर के लिखे जाने तक तलाशी 'श्रेय' कंपनी के प्रमोटर सुनील कनोरिया और हेमंत कनोरिया के कार्यालयों के साथ-साथ अलीपुर क्षेत्र में उनके आवास पर भी की जा रही थी। 1,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच के सिलसिले में है। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी है। उन्होंने बताया कि कोलकाता स्थित एक वित्त कंपनी के प्रमोटरों के कार्यालयों और आवासों पर एक साथ तलाशी अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर छापेमारी चल रही है। वहां अतिरिक्त केंद्रीय बलों को तैनात किया गया है। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि वर्ष 2014 से 2020 के बीच एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक से ऋण लेने के नाम पर लगभग एक हजार करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी की गई। पूर्व कोलकाता स्थित उक्त फाइनेंस कंपनी के खिलाफ बैंक प्रबंधन ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर सीबीआई ने जांच शुरू की। जांच में सामने आया है कि पहले चरण में एक कंपनी ने 730 .82 करोड़ रुपये का ऋण लिया, जबकि दूसरे चरण में उसकी सहयोगी कंपनी ने 260 करोड़ 20 लाख रुपये का कर्ज लिया। इसके अलावा चरणबद्ध तरीके से और भी ऋण लिए गए। बैंक का आरोप है कि ऋण लेने के बाद दोनों कंपनियों ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया और समय पर किस्तों का भुगतान नहीं किया।

एआई पर पीएम मोदी का मास्टरप्लान, टेक जायंट से बोले- भारत को ग्लोबल हब बनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में कार्यरत मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और विशेषज्ञों से बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है जो 'पारदर्शी, निष्पक्ष और सुरक्षित' हो। उन्होंने एआई के नैतिक उपयोग पर भी कोई समझौता न करने की बात कही और प्रमुख क्षेत्रों में स्वदेशी प्रौद्योगिकी के उपयोग का आह्वान किया।

7, लोक कल्याण मार्ग (एलकेएम) स्थित अपने कार्यालय में हुई इस बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने सीईओ से भारत को वैश्विक एआई प्रयासों के लिए एक 'उपयुक्त केंद्र' बनाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि देश ने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से अपनी तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन किया है और इसे एआई के क्षेत्र में भी दोहराया जा सकता है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी ने डेटा सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने यह भी अपील की कि भारत में एआई इकोसिस्टम देश के चरित्र और मूल्यों को प्रतिबिंबित करे, साथ ही एआई कौशल विकास और प्रतिभा निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया।

पीएमओ ने कहा कि आगामी एआई इम्पैक्ट समिट के बारे में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सभी व्यक्तियों और कंपनियों को नए अवसरों का पता लगाने और विकास पथ पर तेजी से आगे बढ़ने के लिए इस समिट का लाभ उठाना चाहिए। पीएमओ ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत के पास विशालता, विविधता और लोकतंत्र का अनूठा संयोजन है, जिसके कारण दुनिया भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे पर भरोसा करती है।

पीएमओ ने कहा कि सभी के लिए एआई' के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें अपनी प्रौद्योगिकी से प्रभाव पैदा करने के साथ-साथ दुनिया को प्रेरित करने की भी आवश्यकता है। इस उच्चस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में विप्रो, टीसीएस, एचसीएल टेक, जोहो कॉर्पोरेशन, एलटीआई माइंडट्री, जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड, अदानीकॉनेक्स, एनएक्सट्रा डेटा और नेटवेब टेक्नोलॉजीज सहित एआई क्षेत्र में कार्यरत कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। इनके अलावा, IIIT हैदराबाद, IIT मद्रास और IIT बॉम्बे के विशेषज्ञ भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद भी बैठक में शामिल हुए।

राजीव प्रताप रूडी के प्रयास से सोनपुर-छपरा कनेक्टिविटी को नई दिशा

पटना, एजेंसी। सारण सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी के प्रयासों से सोनपुर-छपरा कनेक्टिविटी को नई दिशा मिली है। केंद्र सरकार ने गंगा नदी पर नए सिक्स लेन सेतु के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मोर्थ के सचिव श्री वी? उमाशंकर की अध्यक्षता में सांसद रूडी की अधिकारियों के साथ बैठक हुई, जिसमें सोनपुर-छपरा साइड पर सर्विस रोड, यू-टर्न और नए रेलवे ओवरब्रिज का निर्णय लिया गया। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए संपर्क मार्ग को 6 लेन करने की संभावना है। एसवी लोडिंग अनुरूप नए आरओबी/वायाडक्ट निर्माण पर सहमति बनी है। उत्तर गंगा तट पर प्रस्तावित गंगा पथ के अनुरूप पर्याप्त क्लियरेंस सुनिश्चित किया जाएगा।

हर आंख नम, पंचतत्व में विलीन हुए अजित पवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का अंतिम संस्कार गुरुवार को पुणे जिले के बारामती में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष नितिन नवीन पुणे से लगभग 100 किलोमीटर दूर बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में 66 वर्षीय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी इस दौरान उपस्थित थे, साथ ही अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा, जो राज्यसभा सदस्य हैं और उनके बेटे पार्थ एवं जय भी मौजूद थे। बारामती से लोकसभा सदस्य एवं अजित पवार की चचेरी बहन सुप्रिया सुले और राकांपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल भी उपस्थित थे।

अजित पवार को बेटे पार्थ और जय ने दी मुखाग्नि

पिता अजित पवार को अंतिम विदाई देने के बाद बेटे पार्थ और जय वहां उपस्थित लोगों के सामने हाथ जोड़कर खड़े हो गए। इस दुख की घड़ी में पूरा महाराष्ट्र पवार परिवार के साथ खड़ा है। अजित पवार के अंतिम संस्कार में हजारों लोग मौजूद रहे। अमित शाह से लेकर नितिन गड़करी तक कई दिग्गज नेता भी अजित पवार के अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, कहा, 'दुरुपयोग होने की आशंका'

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन ने उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के लिए 'उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम 2026' को लगाया था जिसकी सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है। आपको बता दें कि यूजीसी ने नए नियम के खिलाफ देशभर में व्यापक प्रदर्शन हो रहे थे।

इसी नियम के लिए खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी जिसकी सुनवाई आज 29 जनवरी को की जा रही है। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ कर रही थी।

इन नियमों पर हो रहा था बवाल

यूजीसी की ओर से 'उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम 2026' लाया गया है। इन्हीं नियमों पर देशभर में देशव्यापी प्रदर्शन हो रहे थे। कुछ मुख्य नियम निम्नलिखित हैं-

देशभर के हर यूनिवर्सिटी/कॉलेज में Equity Committees और Equity Squads का गठन किया जायेगा। इसके विरोध में तर्क दिया गया है कि इसमें Equity Squads को अधिक अधिकार प्रदान किये गए हैं और इसमें भेदभाव की परिभाषा भी स्पष्ट नहीं हैं।

24x7 हेल्पलाइन और शिकायत प्रणाली

इस नियम के तहत हर संस्थान में Equal Opportunity Centre स्थापित किया जायेगा जहां स्टूडेंट्स अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे। इसके विरोध में तर्क दिया गया है कि इस नियम भी सवर्ण छात्रों के लिए ठीक नहीं है। इसमें बिना किसी भी सबूत के कोई भी शिकायत दर्ज कर देगा जिस दूसरे स्टूडेंट्स का करियर प्रभावित होगा।

एससी- एसटी पर दिया गया ध्यान

इस नए नियम का उद्देश्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ी जातियों को संस्थान में सुरक्षित माहौल प्रदान किया जाना है जिससे कि वे भेदभाव का शिकार न हों। इसको लेकर आंदोलनकारियों का कहना है कि इससे सवर्ण वर्ग के छात्रों को सीधे टारगेट किया जायेगा जो और भी ज्यादा भेदभाव बढ़ाने का काम करेगा।

'सुप्रीम कोर्ट ने वही किया जो मैंने कहा', यूजीसी नियमों पर रोक के बाद बोले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को नए यूजीसी रेगुलेशंस पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे मामले को फिर से देखने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से नए रेगुलेशंस विरोध करने वालों को बड़ी राहत मिली है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों की इस पर प्रतिक्रिया आई हैं। भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने इसे लेकर सोशल साइट एक्स पर पोस्ट कर विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि सुपीम कोर्ट ने वही किया, जो मैने कहा था। उन्होंने लिखा कि UGC पर गाली देने वाले सभी ज्ञानी, पिछले 2 दिनों से संसद जा रहा हूं,किसी राजनीतिक दल के किसी सदस्य ने इसपर चर्चा तक करना मुनासिब नहीं समझा? उल्टा जिस सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में EWS को 10 प्रतिशत आरक्षण देकर गरीब की सुध ली, उसी को गाली दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि मैं दुबारा आपसे करबद्ध निवेदन करता हूं कि पीएम मोदी पर भरोसा रखिए, संविधान की धारा 14 एवं 15 के तहत ही देश के कानून चलेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने वही किया जो मैंने कहा।

निशिकांत दुबे ने EWS आरक्षण की उठाई थी बात

इससे पहले निशिकांत दुबे ने सोशल साइट पर लिखा था कि 2005 में सवर्ण गीरीबों की स्थिति पर सीनों कमीशन कांग्रेस, राजद, झामुमो, डीएमके, बसपा, कम्युनिस्ट पार्टी ने बनवाया। 2010 पांच साल में रिपोर्ट आया। सवर्ण समाज के बच्चों के हाथ में झुनझुना मिला। पीएम मोदी ने ही EWS आरक्षण दिया। उन्होंने कहा था किआज गरीब आइएएस, आइपीएस, डॉक्टर्स और प्रोफेसर्स हैं। उच्च शिक्षा में भी आरक्षण पाकर पढ़ाई कर रहे हैं, जो काम करे उसी का विरोध किया जा रहा है। इस UGC की भ्रांति भी लोगों के सामने आएगी। संविधान की धारा 14-15 पूर्णतया लागू होगा। काश इतनी आक्रामकता अल्पसंख्यक संस्थानों के मिले अधिकारों पर होता जो संविधान की धारा 25 से 29 तक पढ़ पाते।

प्रियंका चतुर्वेदी ने फैसले का किया स्वागत

शिवसेना यूबीटी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट में कहा कि मुझे खुशी है कि सर्वोच्च न्यायालय ने हस्तक्षेप करते हुए UGC के उन दिशानिर्देशों पर रोक लगाई, जो अस्पष्ट, मनमाने थे और कैंपस में और अधिक भेदभाव पैदा करने का प्रयास थे। उन्होंने कहा कि मुझे ट्रोल किया गया, गालियां दी गईं और मेरे सरनेम को लेकर अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया – वो भी ठीक है। जो बात प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध है, उसके खिलाफ मैं आवाज उठाता रहूंगी। उन्होंने कहा कि यह अब स्पष्ट हो गया है कि भारत सरकार ने हस्तक्षेप करने और यूजीसी के दिशानिर्देशों को वापस लेने की अपनी जिम्मेदारी से पूरी तरह किनारा कर लिया। यह अब दिन के उजाले की तरह साफ है कि उन्हें जनता के विरोध का कोई सम्मान या परवाह नहीं है और जो लोग चुप रहे जब आवाज उठाना आपकी जिम्मेदारी थी, उसका फैसला समय करेगा।

लैंड फॉर जॉब स्कैम : लालू–राबड़ी और तेजस्वी को व्यक्तिगत पेशी से मिली छूट, 9 मार्च से सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। लैंड फॉर जॉब स्कैम से जुड़े CBI मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव को 1 फरवरी से 25 फरवरी के बीच औपचारिक आरोप तय करने के दौरान कोर्ट में व्यक्तिगत पेश से छूट दी है। हालांकि, मीसा भारती और हेमा यादव फिजिकली पेश हुईं और उन्होंने आरोपों से इनकार किया। कोर्ट इस मामले में आगे ट्रायल और प्रॉसिक्यूशन के सबूतों की रिकॉर्डिंग के लिए 9 मार्च से रोजाना सुनवाई करेगा। दरअसल, आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव ने कोर्ट में फिजिकली पेश होने से छूट मांगी थी। इसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

इससे पहले इसी मामले मेंपूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने राउज एवेन्यू कोर्ट के प्रिंसिपल डिसट्रिक्ट और सेशंस जज के सामने एक अर्जी दी थी। इसमें उन्होंने उन जज से 4 केस ट्रांसफर करने की मांग की थी, जिन्होंने कथित आईआरसीटीसी स्कैम केस में उनके और परिवार के सदस्यों के खिलाफ आरोप तय किए थे।

अपनी अर्जी में उन्होंने जज विशाल गोगने के सामने 4 पेंडिंग केस ट्रांसफर करने की मांग की थी। इनमें आईआरसीटीसी स्कैम केस और कथित लैंड-फॉर-जॉब्स केस और उनसे जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की कार्रवाई शामिल है।दरअसल बीते साल 13 अक्टूबर को राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज विशाल गोगने ने आईआरसीटीसी केस में लालू, राबड़ी, तेजस्वी और अन्य के खिलाफ क्रिमिनल चार्ज तय किए थे।

इसके बाद राबड़ी देवी ने जज पर ही भेदभाव का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि वो उनके और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ सोची-समझी सोच के साथ मुकदमा चलाया जा रहा है। जज का गलत तरीके से प्रॉसिक्यूशन की तरफ झुकाव है। याचिका में कहा गया था कि ऊपर बताए गए सभी मामलों में कार्रवाई के दौरान कई मौकों पर स्पेशल जज का व्यवहार प्रॉसिक्यूशन की तरफ झुकाव और भेदभाव वाला लगता है।

इसे केस की कार्रवाई/ऑर्डर के कई उदाहरणों से देखा जा सकता है। इतना ही नहीं उन्होंने ये भी कहा था कि इससे आवेदक के मन में भेदभाव की सही आशंका पैदा हुई है। लिहाजा न्याय, बराबरी और निष्पक्षता के हित में मामलों को सही अधिकार क्षेत्र वाली किसी दूसरी कोर्ट में ट्रांसफर करने की जरूरत है।

'देश को पाखंड से भरा संदेश दे रहे पीएम मोदी', आर्थिक सर्वे पर PM के बयान को लेकर बोली कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बजट सत्र पर उनकी टिप्पणियों को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वे प्रत्येक सत्र की शुरुआत से पहले देश को अपना वही पाखंडी संदेश देते हैं। आज का प्रदर्शन इसी कड़ी का हिस्सा है। कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'वह (प्रधानमंत्री) राष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्ष को विश्वास में लेने के लिए सर्वदलीय बैठकें नहीं बुलाएंगे और न ही उनकी अध्यक्षता करेंगे।'

पाखंड से भरा 'देश के नाम संदेश' देंगे- जयराम

रमेश ने दावा किया कि वह अचानक अंतिम समय में विधेयक पेश करवाएंगे और आवश्यक विधायी जांच

के बिना उन्हें संसद से पारित करवा देंगे। उन्होंने आगे कहा कि मोदी संसद में बैठकर विपक्षी नेताओं की चिंताओं का जवाब नहीं देंगे, बल्कि दोनों सदनों में चुनावी रैलियों में भाषण देंगे। आगे उन्होंने कहा 'प्रत्येक सत्र की शुरुआत से पहले, वह संसद को पृष्ठभूमि बनाकर अपना वही पाखंड से भरा 'देश के नाम संदेश' देंगे। आज का प्रदर्शन इसी श्रृंखला का हिस्सा है'

ईयू के साथ मुक्त व्यापार समझौता महत्वाकांक्षी- मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता महत्वाकांक्षी भारत के लिए है। उन्होंने निर्माताओं से आग्रह किया कि वे उनके लिए खुल रहे नए बाजारों से लाभ उठाएं। मोदी ने यह भी कहा कि देश लंबे समय से लंबित समस्याओं से उबर रहा है और दीर्घकालिक समाधानों की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब समाधान खोजने का समय आ गया है, न कि बाधाएं पैदा करने का। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार केवल फाइलों तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं की अंतिम-मील डिलीवरी सुनिश्चित करने पर भी काम कर रही है। बजट सत्र की शुरुआत में संसद भवन परिसर में अपने पारंपरिक संबोधन में उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'देश के सर्वांगीण विकास के लिए कदम उठाते समय हमारी प्राथमिकता हमेशा मानव-केंद्रित रहती है।'

जयराम रमेश के बयान पर पीयूष गोयल का पलटवार, बोले- ये तो खट्टे अंगूर वाली कहानी

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश के बयान पर तीखा जवाब देते हुए कहा है कि यह खट्टे अंगूर वाली राजनीति है। गोयल ने आरोप लगाया कि जिन लोगों का जमीनी हकीकत से कोई जुड़ाव नहीं रहा, वे अब फैसले न लेने को ही उपलब्धि बताने की कोशिश कर रहे हैं। पीयूष गोयल ने साफ कहा कि भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को बेहद बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया सौदा कहना गलत है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दुनिया इसे मदर ऑफ ऑल डील्स कह रही है, तब कांग्रेस इसे क्यों कमतर आंक रही है। गोयल के मुताबिक यह समझौता 25 ट्रिलियन डॉलर की संयुक्त जीडीपी, 11 ट्रिलियन डॉलर के वैश्विक व्यापार और करीब दो अरब लोगों के साझा बाजार से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत के 33 अरब डॉलर के श्रम-आधारित निर्यात को लेकर डर फैलाना भ्रामक है।

यूजीसी का नया नियम समाज के लिए लड़ो और मरो वाली मशीन : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

आर्यावर्त क्रांति

वाराणसी। यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नई गाइडलाइंस को लेकर विवाद तेज हो गया है। आरोप लग रहे हैं कि ये नियम हिंदू समाज और ऊंची जातियों के साथ भेदभाव दिखाते हैं। इसको लेकर संत समाज भी आक्रोशित दिख रहा है। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि यूजीसी का नियम सनातन धर्म के लिए बड़ा खतरा है। शंकराचार्य के अनुसार, सनातन धर्म में जातियां किसी लड़ाई के लिए नहीं हैं, बल्कि यह परंपरा इसलिए बनाई गई थी ताकि हर व्यक्ति की आजीविका और जीवन सुरक्षित रह सके। ये पुराने समय की प्रथाएं हैं, जो समाज की स्थिरता के लिए बनाई गई थीं। यूजीसी के इस नियम ने अब एक जाति को दूसरी जाति के सामने खड़ा कर दिया है, जिससे लड़ाई और टकराव होना तय है। उनका कहना है कि यह पूरे सनातन धर्म के लिए एक तरह का खतरा है, मानो एक मशीन ले आए और कहे, लड़ो और मरो। शंकराचार्य ने जोर देकर कहा कि यूजीसी के नए नियमों का विरोध करना जरूरी है। उनका कहना है कि सनातन धर्म की हानि करने वाले नए नियमों को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट केवल यह देख सकता है कि कानून में कोई संवैधानिक त्रुटि तो नहीं है, लेकिन कानून को पूरी तरह रोकना उसका काम नहीं है। संसद ने यह कानून पास किया है और गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है।

यू.जी.सी. कानून के समर्थन में उतरा मोस्ट, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मोस्ट कल्याण संस्थान के तत्वाधान में जिला संयोजक राकेश कुमार निषाद के नेतृत्व में राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया।

ज्ञापन में लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश/निर्देशों के अनुपालन में पारित यू.जी.सी. कानून देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, समानता एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के उद्देश्य से लाया गया है। यह विशेष रूप से महिलाओं, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं अन्य वंचित समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा, संरक्षण एवं प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। इस कानून के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थानों में आरक्षण, समान अवसर तथा सामाजिक न्याय के संवैधानिक सिद्धांतों को और अधिक मजबूती मिलेगी। मोस्ट कल्याण संस्थान विगत कई वर्षों से पिछड़े, शोषित, वंचित समाज के शैक्षिक, सामाजिक एवं संवैधानिक अधिकारों के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, इस यूजीसी कानून का पूर्ण समर्थन करता है।

उल्लेखनीय है कि उक्त यूजीसी कानून पूर्णतः भारतीय संविधान की मूल भावना सामाजिक न्याय, बंधुत्व एवं अवसर की समानता के अनुरूप है। यह कानून देश की एकता, अखंडता एवं आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करने वाला है इसे बनाए रखना न केवल संवैधानिक आवश्यकता है बल्कि राष्ट्रहित में भी अत्यंत आवश्यक है। मोस्ट कल्याण संस्थान ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पारित यूजीसी कानून 2026 को महिलाओं, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं वंचित समाज के हित में यथावत लागू रखा जाए एवं सामाजिक न्याय, समानता, भाईचारे एवं संविधान की मूल भावना की रक्षा की जाए। ज्ञापन देने वालों में मोस्ट प्रदेश प्रमुख जीशान अहमद, जिला संयोजक राकेश निषाद, जिला प्रमुख डा. गोविन्द भगत, जिला प्रमुख महिला विंग नन्दनी बौद्ध, प्रदेश सह संयोजक अमृतलाल निषाद, हरिश्चंद्र निषाद, प्रधान प्रतिनिधि महादेव निषाद, हौसिला प्रसाद निषाद, भारत राम, डा. अनिल कुमार, आरती बौद्ध, डा. राहुल निषाद, आशा देवी, अंकिता, रेनू, अंजू, सुषमा, अनीता देवी, गायत्री, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

शिक्षकों के हित के लिए सड़क से सदन तक हमेशा लड़ता रहूंगा : विधायक ध्रुव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। आज क्षत्रिय भवन में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ सुल्तानपुर का जनपदीय वार्षिक सम्मेलन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में गोरखपुर अयोध्या से शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी और विशिष्ट अतिथि प्रदेशीय मंत्री नरेन्द्र प्रताप वर्मा द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए जिला मंत्री अरुण कुमार सिंह द्वारा कहा गया कि संगठन हमेशा शिक्षकों की लड़ाई के लिए संघर्षशील हैं। साथ ही कहा कि संगठन पर विश्वास कर आप साथ दे सदन तक लड़ाई जारी रहेगी। जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने कहा कि पहले के समय में शिक्षक संघर्ष पर विश्वास करता था और काफी उपलब्धियां हासिल की लेकिन अब कही न कही संघर्ष में कमी आई है

जिसके कारण हमारी सभी उपलब्धियां हमसे छीनी जा रही है. हमको समय देना होगा, संघर्ष में आगे आना होगा। तभी हम सब के शिक्षक विधायक सदन में अपनी बातों को जोरदार ढंग से सरकार के समक्ष रखेंगे। 'मुख्य अतिथि ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि अगर आप सभी शिक्षकों का साथ मिलता रहा तो हम सरकार से शिक्षकों के हित में सड़क से सदन तक लड़ता रहूंगा और जरूरत पड़ी तो हम जेल में भी जाने को तैयार है, उन्होंने कहा कि शिक्षकों के संघर्षों से प्राप्त सारी उपलब्धियां शिक्षक विरोधी यह सरकार की दर्जी के कैंची की तरह काट रही है चाहे बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा सभी में सरकार की पैनी नजर है, शिक्षक चाणक्य के वंशज, राष्ट्र निर्माता है आप को सोचना होगा कि हम कहा थे कहा है और कहा रहेंगे, अगर हम जाति धर्म में बटते रहे तो हमको सरकार का दंश झेलना पड़ेगा। चाहे तदर्थ शिक्षक का सेवा की बात हो, सेवा सुरक्षा की बात हो, सरकार बिना कुछ सोचे हिटलर जैसा आदेश जारी कर लागू कराने का प्रयास करता रहता है सरकार शिक्षा में नए नए बदलाव कर शिक्षकों को अनावश्यक परीक्षा देने पर मजबूर कर रही है, हम सभी को सोचना होगा विचार करना होगा शिक्षक हित में जो लड़ाई लड़ रहा है उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना होगा।

शाहरुख को गाड़ी में डालकर ले गए बदमाश, मीट फैक्टरी में ले जाकर थी काटने की तैयारी

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ स्थित थाना सिविल लाइन इलाके में दिनदहाड़े एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां तस्वीर महल स्थित साईं ढाबा के पास से एक अकाउंटेंट का तमंचे के बल पर अपहरण कर लिया गया। अपहरण की यह पूरी घटना लाइव वीडियो में कैद हो गई, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

मीट की फैक्टरी से बरामद हुआ शाहरुख

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एक्शन में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित अकाउंटेंट शाहरुख को अल-दुआ मीट फैक्टरी के परिसर से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने मौके से आरोपी ठेकेदार जीशान को हिरासत में ले लिया है। साथ ही, वारदात में इस्तेमाल की गई कार को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है, जो फैक्टरी स्वामी हाजी जहीर के नाम पर दर्ज बताई जा रही है।

जबरन कराना चाहता था अवैध काम

पीड़ित अकाउंटेंट शाहरुख ने ठेकेदार जीशान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शाहरुख के अनुसार ठेकेदार उससे अकाउंट से संबंधित अवैध काम जबरन कराना चाहता था। मना करने पर उसे डराया-धमकाया जा रहा था। शाहरुख के पिछले काम के करीब 22 हजार रुपये बकाया थे। आरोपी ने बकाया पैसे देने के बहाने उसे बुलाया और फिर तमंचे के बल पर कार में डालकर ले गया।

पुलिसिया कार्रवाई जारी

इस मामले में पीड़ित शाहरुख और उसके भाई ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए थाना सिविल लाइन में तहरीर दी है। पुलिस वायरल वीडियो और बरामद साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

भागवत कथा में कृष्ण–रुक्मिणी विवाह प्रसंग का मंचन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के वीरशाह का पूरा नानेमऊ में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कृष्ण और रुक्मिणी विवाह का प्रसंग धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। कथावाचक आचार्य पं. हिमांशु मिश्र महाराज ने उद्धव चरित्र, महारासलीला और रुक्मिणी विवाह का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों की कामना पूरी करने के लिए महारास का आयोजन किया था। महारास के लिए शरद पूर्णिमा की रात को यमुना तट पर गोपियों को बुलाया गया। कृष्ण की बांसुरी की धुन सुनकर सभी गोपियां वासना रहित प्रेम भाव से उनके पास पहुंचीं। वृंदावन के निधिवन को वह स्थान माना जाता है, जहां श्रीकृष्ण ने महारास रचाया था। इस लीला में जितनी गोपियां थीं, उतने ही श्रीकृष्ण के प्रतिरूप प्रकट हुए, जिससे सभी गोपियों को उनका कृष्ण मिल गया और दिव्य नृत्य व प्रेमानंद शुरू हुआ। रुक्मिणी विवाह का वर्णन करते हुए आचार्य ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने सभी राजाओं को पराजित कर विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी से द्वारका में विधिपूर्वक विवाह किया था। इस अवसर पर आयोजक द्वारा आकर्षक वेश-भूषा में श्रीकृष्ण व रुक्मिणी विवाह की झांकी प्रस्तुत की गई, जिसमें विवाह संस्कार की रस्मों को पूरा किया गया। कथा के साथ-साथ भजन-संगीत का भी आयोजन हुआ। कथा के छठे दिन मुख्य यजमान राम शिरोमणि शर्मा एवं उर्मिला शर्मा सुरेंद्रचंद्र शर्मा, चन्द्रप्रकाश शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, राहुल, रवि प्रकाश, अमित, शैलेंद्र, विवेक, प्रशांत, सागर, विकास, अनुराग, अभिषेक, दिव्यांशु, आकाश, विष्णु, विराट, नैतिक, विराज, अमन सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री पहुंचे हाथरस, एससी–एसटी एक्ट में संशोधन का फूंका बिगुल

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। यूजीसी के नए नियमों के विरोध को लेकर चर्चा में आए बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री 29 जनवरी को हाथरस पहुंचे। राष्ट्रीय सवर्ण परिषद के नेतृत्व में उन्होंने यूजीसी नियम पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक का स्वागत किया।

इस अवसर पर उन्होंने देश के सांसदों को कॉर्पोरेट का कर्मचारी करार देते हुए कहा कि 13 जनवरी को नियम लागू होने के बाद आज 29 जनवरी तक किसी भी सांसद की ओर से कोई ठोस बयान सामने नहीं आया है। उन्होंने देश की सभी जातियों को एकजुट करने के उद्देश्य से वर्तमान एससी-एसटी एक्ट में संशोधन की मांग करते हुए आंदोलन का बिगुल फूंका।

उन्होंने मांग की कि एससी-एसटी एक्ट में पहले गिरफ्तारी के प्रावधान को हटाकर पहले जांच, फिर एफआईआर और उसके बाद गिरफ्तारी की व्यवस्था लागू की जाए। यहां उन्होंने का जिक्र किया, इसमें सुप्रीम कोर्ट ने बदलाव का निर्णय दिए जाने की बात कही, उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया की इस निर्णय को उन्होंने पलट दिया, लेकिन अब इस केस के माध्यम से एक्ट में बदलाव की मुहिम शुरू की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने 1 फरवरी को भारत बंद और 7 फरवरी को सद्भावना यात्रा में सभी जातियों के लोगों से भाग लेने का आह्वान किया।

लंबित मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। गुरुवार को तिकोनिया पार्क में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिला आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ की जिलाध्यक्ष नीलम श्रीवास्तव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपनी आवाज बुलंद की। नीलम श्रीवास्तव ने बताया कि यह धरना संयुक्त मोर्चा संघ के बैनर तले आयोजित किया गया है। उन्होंने विभाग में कार्यरत रहते हुए कार्यकर्ताओं की पीड़ा व्यक्त की, जिसे उन्होंने शब्दों में व्यक्त न कर पाने जितना गहरा बताया। श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्य करती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब उनका काम सरकारी कर्मचारियों जैसा है, तो उन्हें 'राज कर्मचारी' का दर्जा क्यों नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि 5ळ के दौर में उनसे मोबाइल पर सभी डेटा मांगे जाते हैं, लेकिन उन्हें काम के लिए उच्च गुणवत्ता वाले 5जी मोबाइल उपलब्ध नहीं कराए जाते। उन्होंने बिना संसाधनों के काम के दबाव को अस्वीकार्य बताया। 50 वर्ष से अधिक आयु की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मुख्य सेविका (सुपरवाइजर) के पद पर पदोन्नत न करने के फैसले पर भी उन्होंने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने पूछा कि 25-30 साल विभाग को सेवा देने के बाद उन्हें पदोन्नति से वंचित क्यों रखा जा रहा है। नीलम श्रीवास्तव ने चेतावनी दी कि यदि 2027 के चुनाव से पहले सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए, तो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरकार को सत्ता से हटाने में पीछे नहीं हटेंगी। उन्होंने कहा कि आज का यह एक दिवसीय धरना केवल एक शुरुआत है, और जरूरत पड़ने पर पूरा संगठन सड़कों पर उतरकर चक्का जाम करेगा।

दीवानी सभागार में युवा दिवस का आयोजन

सुल्तानपुर। अधिवक्ता परिषद अवध इकाई सुल्तानपुर के तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद के जन्मशती के उपलक्ष्य में युवा दिवस का आयोजन डॉ राजेंद्र प्रसाद सभागार दीवानी न्यायलय सुल्तानपुर में किया गया.। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष राम विशाल त्रिपाठी एडवोकेट रहे। कार्यक्रम क़ी शुरुवात भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन से हुई. कार्यक्रम क़ी अध्यछता परिषद के अध्यक्ष हरिश्चन्द्र दुबे एडवोकेट ने क़ी, सभा का संचालन महामंत्री सर्वेश कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम को राजकुमार सिंह एडवोकेट, देवेंदर मिश्रा एडवोकेट ने सम्बोधित किया, कार्यक्रम में मुख्य वक्ता और अध्यक्ष हरिश्चन्द्र दुबे एडवोकेट ने स्वामी जी के जीवनवृत पर प्रकाश डाला. अंत में अध्यक्ष द्वारा आए हुये अधिवक्तागणों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुवे कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।. कार्यक्रम में संतोष पाठक एडवोकेट, नितेश कुमार मिश्रा एडवोकेट, कपिल पाण्डेय एडवोकेट, राम अवतार यादव एडवोकेट, नन्द लाल कोरी एडवोकेट, प्रदीप कुमार शुक्ला, आदि उपस्थित रहे।

एक साथ जलीं दो चिताएं : पत्नी के मौत के 15 मिनट बाद पति ने भी छोड़ी दुनिया, दोनों को थी एक ही बीमारी

आर्यावर्त संवाददाता

गजरौला। पत्नी की मौत के मात्र 15 मिनट बाद ही पति ने भी दुनिया छोड़ दी है। पति की मौत जहां मेरठ के एक निजी अस्पताल में हुई तो पत्नी ने घर पर ही दम तोड़ दिया। दिन भर मामला चर्चा का विषय बना रहा।

जिला बिजनौर के गांव लुहारपुर निवासी नीटू (45) अपनी पत्नी सपना उर्फ नन्हिया व परिवार समेत मोहल्ला अवंतिका नगर में किराए के मकान में रहते थे। नीटू दुकान पर मजदूरी करते थे जबकि सपना घर का कामकाज देखती थीं। उन्होंने दो वर्ष पूर्व बेटे शिवम की शादी की।

मेरठ में चल रहा था पति का इलाज

परिजनों ने बताया कि दो सप्ताह पूर्व नीटू को अचानक बुखार आया। जिस पर परिजनों ने उनको पहले नगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में सीएचसी भी ले गए। उनकी हालत में सुधार न होने पर परिजन उन्हें मेरठ ले गए। जहां

उनका इलाज चल रहा था।

पत्नी की मौत खबर सुन नीटू ने तोड़ा दम

इधर तीन दिन पूर्व नीटू की पत्नी सपना को भी बुखार आ गया। उनका घर पर ही इलाज चल रहा था। लेकिन बुधवार की सुबह अचानक सपना की हालत बिगड़ गई और करीब 9।45 बजे सपना ने दम तोड़ दिया। जिसकी जानकारी मेरठ में भर्ती नीटू को हुई तो करीब मिनट बाद उनकी भी सांस थम गईं। जानकारी मिलने पर परिजनों में शोक छा गया। करीब 15 मिनट के अंतराल पर हुई दंपती की मौत से हर कोई स्तब्ध रह गया। तिगरी में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। दंपती की मौत का यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

द्वितीय चरण की यात्रा में अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक सहयोग से सपाईयों में खुशी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। पीडीए जागरण एवं सम्मान यात्रा के पांचवे व अंतिम दिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक 'अनूप संडा' ने कहा ने कहा कि 'भाजपा सरकार में हर वर्ग पीड़ति और प्रताड़ति है। सरकार के आंकड़े झूठे और फर्जी है। भाजपा झूठे आंकड़ों से जनता को गुमराह करती है। सरकार हर मोर्च पर नाकाम है। दलितों, महिलाओं के साथ उत्पीड़न और अन्याय चरम पर है। इस सरकार में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। अपनी नाकामी छिपाने के लिए पीड़तिों पर दबाव बनाकर समझौता कराया जाता है। अपराधी तत्वों को सरकार का संरक्षण है। भाजपा सरकार सामंती मानसिकता से कार्य कर रही है। संविधान और कानून नहीं मान रही है। सत्ता के संरक्षण में यह सरकार झूठ बोलकर फूट डालती हैं फूट डालकर लूट करती हैं, दबंग गरीबों की जमीनें छीन रहे हैं। तरह-तरह से परेशान कर रहे हैं। सरकारी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। भाजपा भूमाफियों के साथ है। भाजपाई सरकारी जमीनों पर कब्जा कर रहे है और बजट लूट रहे हैं। पूरे प्रदेश में अराजकता है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर गरीबों और पीडीए की आवाज को दबा रही है। भाजपा पीडीए की एकजुटता से घबराई हुई है। पीडीए के लोगों की नौकरियां और आरक्षण छीना जा रहा है। भाजपा पीडीए को कमजोर करने का षड्यंत्र कर रही है। प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार, जातीय उत्पीड़न, भेदभाव, अन्याय से त्रस्त हो चुकी है। तथा जनता के बीच भाजपा के झूठे वादों की पोल खुल चुकी है। भाजपा पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है। जनता 2027 में भाजपा को सत्ता से हटाकर अन्याय, अत्याचारी शासन का अंत कर देगी। द्वितीय चरण की यात्रा के अंत में 'अनूप संडा' ने क्षेत्र की जनता एवं साथियों का तन, मन, धन से सहयोग के लिए आभार एवं अभिवादन किया।

रज्जू भैया की 105वी में जयंती पर आयोजित हुआ निशुल्क स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यालय 'रज्जू भैया सदन' लवकुश नगर सुल्तानपुर में प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया के 105वे जन्मदिवस पर सुंदरकांड का पाठ के साथ निशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं जन सेवा न्यास वाराणसी के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन विभाग संघचालक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर जिले के प्रसिद्ध विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टर ने निशुल्क उपचार एवं परामर्श दिया एवं सैकड़ो स्वयंसेवकों ने रक्तदान दिया।

डॉ राधाकृष्णन द्वारा सभी स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए बताया गया कि रज्जू भैया 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चतुर्थ सरसंघचालक' के रूप में हम सबका मार्गदर्शन कई वर्षों तक किया, उन्होंने प्रो0 रज्जू भैया के जीवन की कई कहानियों का वर्णन करते हुए राष्ट्र के प्रति उनके त्याग और समर्पण को याद किया एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी स्वयंसेवकों ने रज्जू भैया के चित्र पर पुष्पार्चन किया। इस अवसर पर प्रांत के ग्राम विकास संयोजक डॉ रमाशंकर पांडे, सह प्रांत शारीरिक प्रमुख गोकुल, विभाग प्रचारक श्री प्रकाश, जिला प्रचारक आशीष, नगरसंचालक अमरपाल, सहनगर संघचालक सुदीप पाल, अजय, प्रवीण अग्रवाल, सुशील त्रिपाठी सहित जिले के सैकड़ो सम्मानित स्वयंसेवकों के साथ चिकित्सा शिविर में डॉ संजय सिंह, डॉ रविंद्र यादव, डॉ. सलिल कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आर के मिश्रा, डॉ पवन कुमार सिंह, डॉ. सौरभ चतुर्वेदी, डॉ. डीपी सिंह, बृजेश त्रिपाठी, विजय चौधरी ने अपना विशिष्ट योगदान दिया।

सी.सी. सड़क का लोकार्पण, ग्रामीण विकास को मिली नई गति

जयसिंहपुर/सुल्तानपुर। विकास खंड जयसिंहपुर में ग्रामीण विकास को सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई। जिला पंचायत सुल्तानपुर की निधि से 15वें वित्त आयोग की अनटाइड ग्रांट योजना के अंतर्गत निर्मित सी.सी. सड़क का विधिवत लोकार्पण किया गया। पिच रोड राहिल पारा से कलवार बस्ती तक बनी सी.सी. सड़क का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं बल्दीराय ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिला पंचायत का निरंतर प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं मजबूत हों। शिवकुमार सिंह ने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। बेहतर सड़कें न केवल आवागमन को सुगम बनाती हैं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के अवसरों को भी बढ़ावा देती हैं।

सेंट्रल मार्केट पर बुलडोजर की आहट, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से घबराए दुकानदार, आवास विकास के नोटिस तैयार

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के शास्त्रीनगर के सेंट्रल मार्केट मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से व्यापारियों में मायूसी है। मंगलवार को सर्वोच्च अदालत ने अपने 17 दिसंबर 2024 के निर्णय को बरकरार रखते हुए अभी तक कार्रवाई न होने पर कड़ा एतराज जताया था।

अदालत ने छह सप्ताह में ध्वस्तीकरण कर रिपोर्ट दाखिल करने के आदेश दिए हैं। वहीं बुधवार शाम तक ऑर्डर अपलोड नहीं हुआ। व्यापारियों का कहना है कि आदेश पढ़ने के बाद रणनीति बनाकर व्यापार बचाने के लिए काम करेंगे। उधर, आवास एवं विकास परिषद की ओर से अवैध निर्माणों के नोटिस भी तैयार किए गए।

आरटीआई कार्यकर्ता लोकेश खुराना की ओर से दाखिल की गई अवमानना याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई थी। लोकेश खुराना के

अधिवक्ता तुषार जैन ने बताया कि अदालत ने निर्देश दिए कि छह सप्ताह के भीतर अन्य समस्त अवैध निर्माणों को ध्वस्त करके ध्वस्तीकरण की कंप्लायंस रिपोर्ट याचिकाकर्ता के वकील के माध्यम से कोर्ट को उपलब्ध कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पुनर्स्थापित करने के भी प्रयास कर रहे हैं : शारदा

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत शारदा अग्रवाल ने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए पार्टी आलाकमान से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि 661/6 के ध्वस्तीकरण से प्रभावित व्यापारियों को पुनर्स्थापित करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। कानून के दायरे में रहते हुए व्यापारी हितों के लिए काम किया जाएगा।

सेंट्रल मार्केट के व्यापारी नेता जितेंद्र अग्रवाल ने बताया कि बुधवार को देर शाम तक भी सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर अपलोड नहीं हो सके। अभी तक क्या आदेश अदालत ने जारी किए हैं, इसका पता तो आदेश पढ़कर ही चलेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी अपनी रणनीति बना रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री से भी मिलेंगे। उधर, दूसरी ओर आवास एवं विकास परिषद के कार्यालय में नोटिस भी तैयार किए गए। हालांकि अधिकारी मामला सुप्रीम कोर्ट से जुड़ा होने के कारण किसी भी तरह का बयान देने से बच रहे हैं।

शिक्षकों को मिलेगा कैशलेस इलाज, विस्थापित बंगाली हिंदुओं के पुनर्वास को मंजूरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा के शिक्षकों और शिक्षणेत्तर 15 लाख कर्मचारियों को मुफ्त कैशलेस इलाज का लाभ मिलेगा। यूपी कैबिनेट में 32 प्रस्ताव आए थे, जिसमें से 30 को मंजूरी मिली है। इस फैसले के जरिये 15 लाख शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मी निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज करा सकेंगे। बेसिक और माध्यमिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित अनुदानित और स्व वित्तपोषित संस्थानों के शिक्षकों, मानदेय शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मियों और उनके आश्रितों को इसका लाभ मिलेगा। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के मुताबिक, बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों, मान्यता प्राप्त और अंशकालिक विद्यालयों के शिक्षकों को इसका लाभ मिलेगा। राज्य में करीब 4 लाख 34 हजार 226 शिक्षक हैं। जबकि अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल विद्यालयों के 13380 शिक्षक हैं। बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन स्ववित्तपोषित मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 4 लाख 72 हजार 735 शिक्षकों को भी इसका फायदा मिलेगा। इसमें 1 लाख 42 हजार 900 शिक्षामित्र, उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 24,717 अनुदेशकों और कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के 7 हजार से अधिक शिक्षकों और कर्मी भी इसके दायरे में होंगे। प्रधानमंत्री पोषण योजना के प्राइमरी स्कूलों के 93 हजार रसोईये भी इसके दायरे में होंगे। इस योजना पर 358 करोड़ का खर्च आएगा।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के मुताबिक, बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों, मान्यता प्राप्त और अंशकालिक विद्यालयों के शिक्षकों को इसका लाभ मिलेगा। राज्य में करीब 4 लाख 34 हजार 226 शिक्षक हैं। जबकि अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल विद्यालयों के 13380 शिक्षक हैं। बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन स्ववित्तपोषित मान्यताप्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को भी इसका फायदा मिलेगा। इसमें 1 लाख 42 हजार 900 शिक्षामित्र, 24,717 अनुदेशकों और कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के 7 हजार से अधिक शिक्षकों और कर्मी भी इसके दायरे में होंगे। प्राइमरी स्कूलों के 93 हजार रसोईये भी इसके दायरे में होंगे। इस योजना पर 358 करोड़ का खर्च आएगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक करेंगे वेरीफिकेशन

बेसिक शिक्षा परिषद के मान्यताप्राप्त अशासकीय स्ववित्तपोषित मान्यताप्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को वेरिफाई करने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी बनाई जाएगी। परिषद के अधीन इन स्ववित्तपोषित मान्यता प्राप्त विद्यालय के इन शिक्षकों का वेरिफिकेशन किया जाएगा।

माध्यमिक शिक्षकों को भी लाभ

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि अनुदानित विद्यालयों के शिक्षकों, व्यावसायिक शिक्षा के शिक्षकों, मानदेय शिक्षकों, संस्कृत महाविद्यालयों, माध्यमिक शिक्षा परिषद स्ववित्तपोषित मान्यताप्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को सरकारी और निजी अस्पतालों में कैशलेस ट्रीटमेंट की सुविधा प्रावधान की गई है। माध्यमिक विद्यालयों के करीब 2 लाख 97 हजार शिक्षकों और कर्मियों को इसका लाभ मिलेगा। इस पर 59 करोड़ का खर्च आएगा।

विद्यावाचस्पति डॉ. कर्नल आदिशंकर मिश्र 'आदित्य' को विद्यासागर की मानद उपाधि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ निवासी प्रख्यात साहित्यकार, कवि, लेखक, समाजसेवी और सेना से सेवानिवृत विद्यावाचस्पति डॉ. कर्नल आदि शंकर मिश्र 'आदित्य', को काशी हिन्दी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा विद्यापीठ की अकादमिक परिषद की अनुशंसा पर गत 25 जनवरी को संपन्न सम्मान समारोह में 'विद्या सागर' की मानद उपाधि (कैंसर से पीड़ित) डॉ. कर्नल मिश्र की अनुपस्थिति में उन्हें प्रदान की गयी है। डॉ. कर्नल मिश्र को यह मानद उपाधि उनके द्वारा शैक्षिक/ शोध कार्यों, निरंतर साहित्य सृजन तथा समाज सेवा के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय योगदान के लिये प्रदान की गयी है।

डॉ. कर्नल मिश्र को डॉक्टरेट की तीन मानद उपाधियाँ, काशी हिन्दी विद्यापीठ से विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि, साहित्य शिरोमणि, साहित्य रत्न और मानद स्मृति सम्मान सहित साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में अब तक छः सौ बीस से अधिक सम्मान पत्र, प्रशस्ति पत्र और प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुके हैं। डॉक्टर कर्नल मिश्र सेना सेवा से सेवानिवृत्त होकर निरंतर समाज सेवा क्षेत्र से संबद्ध रहे हैं और कई सामाजिक व धार्मिक संस्थानों और समितियों में सक्रिय भूमिका निभाते आये हैं।

डॉक्टर कर्नल मिश्र की नौ काव्य संग्रह, दो लेख संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं और पचास से अधिक साझा काव्य संग्रह में भी रचनाएँ प्रकाशित हो चुकी हैं साथ ही इनकी कविताएँ, लेख विभिन्न समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं। डॉक्टर कर्नल मिश्र के पाँच अन्य काव्य संग्रह और लेख संग्रह शीघ्र ही प्रकाशित होने वाले हैं।

कृषि अनुसंधान को किसान–केंद्रित बनाने पर जोर, उपकार में कृषि मंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने आलमबाग स्थित उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के सभागार में कृषि शिक्षा और कृषि अनुसंधान से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में उपकार के प्रतिनिधिमंडल द्वारा एक्रीसेट और समिटि की संस्तुतियों पर विस्तार से चर्चा की गई, विशेष रूप से कृषि शिक्षा और कृषि अनुसंधान के वर्गीकरण को अलग-अलग करने तथा उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर गहन मंथन हुआ।बैठक के दौरान अरहर सहित अन्य दालों की उत्पादकता बढ़ाने, कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विभाग के फार्मों की कार्यप्रणाली तथा विभिन्न अनुसंधान विषयों की समीक्षा की गई। कृषि मंत्री ने कहा कि बदलते मौसम के मिजाज और किसानों की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिकों को शोध कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुसंधान के लिए आवंटित बजट और संसाधनों का प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए, ताकि किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।कृषि मंत्री ने नई किस्मों के विकास के साथ-साथ कुल कृषि उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए ठोस और व्यवहारिक रणनीति तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से बेहतर जर्मप्लाज्म विकसित किया जाए और गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की प्रक्रिया को तेज किया जाए, जिससे किसानों को अधिक उपज और बेहतर आमदनी मिल सके।

संपत्ति पंजीकरण में फर्जीवाड़े पर लगेगी लगाम, 1 फरवरी से प्रदेशभर में लागू होगा आधार प्रमाणीकरण

लखनऊ। प्रदेश में संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। स्टाम्प तथा पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल ने गुरुवार को विधान भवन के कक्ष संख्या-80 में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि उत्तर प्रदेश में संपत्ति पंजीकरण प्रणाली में आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था लागू की जा रही है, जिससे फर्जी रजिस्ट्रियों और छद्म व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले पंजीकरण पर प्रभावी रोक लगेगी।राज्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में 28 अगस्त 2025 को सम्पन्न स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि संपत्ति पंजीकरण के दौरान फर्जीवाड़े की घटनाओं को रोकने के लिए आधार प्रमाणीकरण को अनिवार्य किया जाए।

1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य पर फोकस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़ी विभिन्न पहलों की समीक्षा के लिए बापू भवन, लखनऊ में उच्चस्तरीय प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने की।बैठक में 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के अनुरूप विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, नीतिगत पहलों और निवेश से संबंधित गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। तकनीक आधारित विकास को गति देने, निवेश को आकर्षित करने और प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन के लिए अपनाई जा रही रणनीतियों पर गंभीर विमर्श हुआ।समीक्षा बैठक में लखनऊ में प्रस्तावित एआई सिटी की प्रगति पर विशेष चर्चा की गई। बताया गया कि एआई सिटी के लिए प्री-फिजिबिलिटी स्टडी पूर्ण कर ली गई है तथा भूमि चिन्हांकन और निवेश प्रक्रिया से जुड़े विषयों पर विचार चल रहा है। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्किलिंग, रिसर्च, इनोवेशन और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार किए जा रहे यूपी एआई मिशन के ड्राफ्ट पर भी चर्चा की गई।बैठक में गौतम बुद्ध नगर को ग्लोबल आईटी, आईटीईएस और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने से संबंधित पहलों की समीक्षा की गई। जीसीसी नीति के तहत जारी ऑपरेशनल गाइडलाइंस, निवेशक सुविधा तंत्र और कंपनियों के साथ हो रहे संवाद की प्रगति की जानकारी दी गई।प्रदेश में ड्रोन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित ड्रोन हब से जुड़ी गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग और अनुसंधान से संबंधित प्रस्तावों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक के संभावित उपयोगों पर चर्चा हुई।

1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यूपी स्टार्टअप मिशन और यूपी स्टार्टअप पॉलिसी-2025 के अंतर्गत चल रही पहलों की भी समीक्षा की गई। स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन, फंडिंग तंत्र को मजबूत करने और सार्वजनिक खरीद में उनकी भागीदारी बढ़ाने जैसे विषयों पर विचार किया गया।

○ संक्षेप ○

विमान दुर्घटना में अजित पवार के निधन पर मंत्रिपरिषद ने पारित किया शोक प्रस्ताव

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज सम्पन्न मंत्रिपरिषद की बैठक में 28 जनवरी, 2026 को महाराष्ट्र के बारामती में हुई विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार सहित अन्य लोगों के आकस्मिक निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्रिपरिषद ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और दिवंगत पुण्य आत्माओं की शांति की कामना की।मंत्रिपरिषद द्वारा पारित शोक प्रस्ताव में कहा गया कि अजित पवार का महाराष्ट्र की जनता से गहरा जुड़ाव रहा और उनका असामयिक निधन सार्वजनिक जीवन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। बैठक में उनके योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया कि अजित पवार ने अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया। गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने तथा महाराष्ट्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मंत्रिपरिषद ने सराहनीय बताया।

हज–2026 के लिए ऑनलाइन सेल्फ फ्लाइट बुकिंग सुविधा शुरू

लखनऊ। हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई द्वारा हज–2026 के हज यात्रियों के लिए ऑनलाइन सेल्फ फ्लाइट बुकिंग सुविधा प्रारम्भ की गई है। इस संबंध में सचिव/कार्यपालक अधिकारी एसपी तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्कुलर–29 दिनांक 28 जनवरी 2026 के माध्यम से हज यात्रियों को अपने व्यक्तिगत लॉगइन से सीधे उड़ान बुक करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।उन्होंने बताया कि हज यात्री अपनी सुविधा और पसंद के अनुसार हज कमेटी की वेबसाइट https://accommodation.hajcommittee.gov.in पर या हज सुविधा एप के माध्यम से स्वयं उड़ान बुक कर सकते हैं। यह व्यवस्था पूरी तरह वैकल्पिक है और इसका उद्देश्य केवल यह है कि इच्छुक हज यात्री अपनी पसंद की उड़ान स्वयं चुन सकें।यह ऑनलाइन सेल्फ बुकिंग सुविधा 29 जनवरी 2026 से केवल चार दिनों के लिए उपलब्ध रहेगी। बुकिंग सीट की उपलब्धता और उड़ानों की क्षमता पर निर्भर करेगी। एक बार बुकिंग हो जाने के बाद यात्रा या उड़ान की तिथि में किसी प्रकार का परिवर्तन संभव नहीं होगा और इस संबंध में किए गए किसी भी अनुरोध पर हज कमेटी द्वारा विचार नहीं किया जाएगा।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऑनलाइन सेल्फ बुकिंग अवधि समाप्त होने के बाद जो हज यात्री अपनी बुकिंग नहीं कर पाएंगे, उनकी उड़ानों की बुकिंग हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा सीट की उपलब्धता के आधार पर की जाएगी। जोहफा, बिना महरम श्रेणी की महिलाएं तथा रुबात श्रेणी के हज यात्रियों के लिए यह सुविधा मान्य नहीं होगी।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 1650 वित्तीय साक्षरता कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत–2047 विजन को साकार करने की दिशा में और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ग्रामीण इलाकों में बैंकिंग सेवाओं और वित्तीय जागरूकता को मजबूत करने के उद्देश्य से 1650 वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (FLCs/CRPs) को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेगा।यह दो दिवसीय रिफ्रेशर एवं ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधित जनपदों के आरसेटी केंद्रों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर मिशन के अंतर्गत कार्यरत कर्मियों की कार्यक्षमता और तकनीकी समझ को बढ़ाना है, ताकि वे वित्तीय योजनाओं को प्रभावी ढंग से आम जनता तक पहुँचा सकें। यह प्रशिक्षण उन कर्मियों को दिया जाएगा जो कम से कम एक वर्ष से निरंतर सेवा दे रहे हैं।राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देशित किया गया है कि वे आरसेटी के साथ तालमेल बिठाकर जल्द से जल्द प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार करें।

बीबीएयू में यूनिवर्सिटी यूथ कॉन्क्लेव का आयोजन, स्वास्थ्य और वित्तीय सशक्तिकरण पर हुआ मंथन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 29 जनवरी को स्वास्थ्य एवं वित्तीय कल्याण के उद्देश्य से यूनिवर्सिटी यूथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उम्मीद–स्टूडेंट काउंसलिंग सेंटर, बीबीएयू, नेशनल टास्क फोर्स, स्टूडेंट वेलनेस कमेटी और एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की।कॉन्क्लेव में मुख्य वक्ता के रूप में एम्स ऋषिकेश के कम्युनिटी मेडिसिन यूथ एंड वेलनेस के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. संतोष कुमार, सेबी के पूर्व डीजीएम एवं एएमएफआई के सीनियर कंसल्टेंट सूर्यकांत शर्मा, उम्मीद–स्टूडेंट काउंसलिंग सेंटर की कोऑर्डिनेटर और स्टूडेंट वेलनेस कमेटी की चेयरपर्सन प्रो. नीतू सिंह तथा नेशनल टास्क फोर्स के चेयरपर्सन डॉ. दीपेश्वर सिंह मंचासीन रहे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात आयोजन समिति की ओर से अतिथियों को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। प्रो. नीतू सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया, जबकि डॉ. नरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्य और रूपरेखा से उपस्थितजनों को अवगत कराया। मंच संचालन का दायित्व भी डॉ. नरेंद्र सिंह ने निभाया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि किसी भी व्यक्ति का व्यवहार और उसकी तार्किक क्षमता उसके जीवन के निर्णयों, कार्यों और भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति सोच-समझकर और तर्क के आधार पर निर्णय लेता है, तभी वह सही और दूरगामी परिणाम प्राप्त कर सकता है। वित्तीय विषयों पर चर्चा करते हुए उन्होंने धन को सही तरीके से खर्च करने और पैसे से पैसे बनाने की समझ पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को 'लर्निंग अर्निंग टुगेदर' का मूलमंत्र देते हुए आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।कुलपति ने पंचकोश सिद्धांत की व्याख्या करते हुए कहा कि अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनंदमय—इन पांचों कोशों का संतुलन व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आत्मिक रूप से स्वस्थ बनाता है।

काकोरी में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त, अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज, जांच जारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र के ग्राम बहरू में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को अज्ञात व्यक्ति अथवा व्यक्तियों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना सामने आई है। यह जानकारी आज 29 जनवरी 2026 को प्रातः करीब 07:30 बजे डायल-112 के माध्यम से थाना काकोरी पुलिस को प्राप्त हुई, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया।सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक काकोरी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर पहुंचने पर पाया गया कि प्रतिमा क्षतिग्रस्त है। घटना की जानकारी फैलते ही लगभग 50 से 60 ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल हालात को नियंत्रण में लेने की कार्रवाई शुरू की।घटना की गंभीरता को देखते हुए सहायक पुलिस आयुक्त, काकोरी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें निष्पक्ष और त्वरित विधिक कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस अधिकारियों द्वारा समझाने-बुझाने के बाद ग्रामीण शांत हुए और बिना किसी अप्रिय स्थिति के अपने-अपने घरों को लौट गए।पुलिस द्वारा प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना काकोरी पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। घटना के अनावरण के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इसके साथ ही अन्य आवश्यक तथ्यों को एकत्र कर मामले की गहन जांच की जा रही है और अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है। पुलिस प्रशासन ने बताया कि वर्तमान में मौके पर शांति और कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

'डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के तहत सेवा प्रदाताओं का अभिमुखीकरण

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के बैठक कक्ष में सेवा प्रदाताओं की अभिमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में पीएसआई इंडिया और केनव्यू के सहयोग से जनपद में चलाये जा रहे 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम को सफल बनाने में सेवा प्रदाताओं (स्टाफ नर्स) की भूमिका पर गहन चर्चा हुई। अभिमुखीकरण का मुख्य उद्देश्य डायरिया के बारे में समुदाय को विस्तार से जानकारी देना, ओआरएस और जिंक से डायरिया रोकथाम के उपायों के बारे में जानकारी देना और चिकित्सक के पास जाने की सलाह देना था।

कार्यशाला में पीएसआई इंडिया के पंकज कुमार ने बताया कि 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के 13 और बिहार के तीन जनपदों में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। डायरिया से किसी भी बच्चे की मौत न होने पाए, इसमें स्टाफ नर्स अहम भूमिका निभा सकते हैं।

अभिमुखीकरण कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ. रिशी गोपाल ने की। उन्होंने डायरिया के बारे में स्टाफ नर्सों का अभिमुखीकरण करते हुए कहा कि डायरिया से बचाव के लिए स्वच्छता बहुत जरूरी है। इसलिए अपने घर और आस-पास साफ़-सफाई का पूरा ख्याल रखें । बच्चों को कुछ भी खिलाने-पिलाने से पहले हाथों को अच्छी तरह साबुन-पानी से अवश्य धुल लें। उन्होंने 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम को सफल बनाने में हरसम्भव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस मौके पर शहरी स्वास्थ्य समन्वयक आकाश गौतम ने डायरिया पर पीएसआई इंडिया द्वारा कराई जा रही अभिमुखीकरण कार्यशाला की सराहना की एवं आश्वासन दिया कि आगे भी इस तरह के आयोजन में सहयोग करेंगे। इसके साथ ही यह भी कहा कि लोग अपने घरों में ओआरएस एवं ज़िंक जरूर रखें I अभिमुखीकरण कार्यशाला में सोमचंद्र, रक्षा, पीएसआई इंडिया से आरती और स्टाफ नर्स उपस्थित रहे।

पंडित अलगू राय शास्त्री की जयंती पर बोले ए.के. शर्मा—मऊ अब माफिया नहीं, विकास और विश्वास से पहचाना जाएगा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने नगर पालिका कम्युनिटी हाल, मऊ में आयोजित महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं संविधान सभा सदस्य स्वर्गीय पंडित अलगू राय शास्त्री की जयंती समारोह में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने पंडित अलगू राय शास्त्री को नमन करते हुए कहा कि ऐसे महापुरुषों का जीवन और उनके विचार आज भी लोकतंत्र, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक चेतना को मजबूती प्रदान करते हैं।अपने संबोधन में मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि मऊ का अतीत अत्यंत गौरवशाली रहा है, लेकिन एक समय राजनीतिक भटकाव के कारण जनपद को भारी नुकसान उठाना पड़ा। जो कार्य समय पर होने चाहिए थे, वे नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि एक दौर ऐसा भी आया जब मऊ पूरी तरह माफियाओं की गिरफ्त में चला गया था, जिससे कानून व्यवस्था कमजोर हुई और शिक्षा व व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुए। वर्तमान सरकार की सख्त नीतियों, निर्णायक कार्रवाई और जीरो टॉलरेंस नीति के चलते आज मऊ माफिया मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल प्रशासन का नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और सहयोग की जीत है। अब सभी को सजग रहकर इस उपलब्धि को स्थायी बनाना होगा, ताकि मऊ की पहचान भय से नहीं बल्कि विकास और विश्वास से बने।मंत्री ने कहा कि अब मऊ के विकास को कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने बताया कि पूर्व में शिक्षा का अवमूल्यन हुआ, जिसके कारण युवा पीढ़ी गलत रास्तों की ओर भटकती चली गई। वर्तमान सरकार बच्चों और युवाओं को अपराध के दलदल से बाहर निकालकर गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने जानकारी दी कि अमिला में आकांक्षी नगर विकास योजना के अंतर्गत एक भव्य डिजिटल लाइब्रेरी का लोकार्पण हो चुका है, जहां बच्चे आधुनिक तकनीक के माध्यम से अध्ययन कर रहे हैं।इसी क्रम में उन्होंने नगर पालिका परिषद मऊ में बनने वाली डिजिटल लाइब्रेरी का नामकरण पंडित श्याम नारायण पांडेय के नाम पर करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यदि पंडित श्याम नारायण पांडेय न होते, तो महाराणा प्रताप का इतिहास में वह स्थान और पहचान संभव नहीं हो पाती, जो आज उन्हें प्राप्त है।ए.के. शर्मा ने अपने संबोधन में बहुउद्देशीय भवन 'मंगलम' और गायघाट के सुंदरीकरण कार्य का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं मऊ को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के साथ-साथ उसकी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करेंगी। आने वाले समय में मऊ को अराजकता या अपराध से नहीं, बल्कि शिक्षा, संस्कृति और समग्र विकास के लिए जाना जाएगा।

अरावली पर्वतमाला : अवैध खनन रोकने में जनसहभागिता भी जरूरी

सर्वोच्च न्यायालय की अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन को लेकर जो चिंता देखी गई है वह अपने आपमें महत्वपूर्ण इसलिए हो जाती है कि अरावली पर्वतमाला को खोखला करने में अवैध खनन गतिविधियों की प्रमुख भूमिका रही है। यही कारण है कि 21 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की बैंच ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और समस्या के मूल कारण अवैध खनन पर रोक पर जोर दिया है। 21 जनवरी के निर्देशों को स्पष्टता की दृष्टि से दो भागों में समझा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी में जहां अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक और इसकी कार्ययोजना के निर्देष दिए हैं वहीं अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के मुद्दे का अलग अलग देखने पर जोर दिया है। अरावली पर्वतमाला की 100 मीटर के आदेष को दिसंबर के केप्ट इन एवियांस के आदेश को यथावत रखा हैं और विशेषज्ञों की कमेटी बनाने के लिए नाम व सुझाव मांगे है। कमोबेस चार सप्ताह में दुबारा सुनवाई तक कार्ययोजना और विशेषज्ञों के नाम और सुझाव का समय दिया गया है। पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने अधिक गंभीरता जताई है।

अरावली पर्वतमाला को लेकर वैध और अवैध खनन की बहस को अलग रखकर देखा जाए तो यह साफ हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला को वैध खनन से अधिक अवैध खनन ने नुकसान पहुंचाया है। यह चिंता केवल पर्यावरणविदों की ही नहीं अपितु समूचे समाज और समूचे देश की इस मायने में है कि अरावली पर्वतमाला एक मोटे अनुमान के अनुसार 2 अरब पुरानी प्रोटेरोजोइक युग में निर्माण हुआ माना जाता है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर और गुजरात तक अरावली पर्वतमाला है। राजस्थान का बड़ा क्षेत्र 20 जिले अरावली पर्वतमाला में आते हैं। अरावली पर्वतमाला की कोख में मेसेनरी स्टोन से लेकर क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के अपार भण्डार है। देखा जाए तो अरावली पर्वतमाला को राजस्थान की तुलना में हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में अधिक नुकसान पहुंचाया गया है। खैर आरोप प्रत्यारोप का ना तो यह समय है और ना ही इससे कोई निकष निकलने वाला है। पर एक बात साफ है कि अरावली पर्वतमाला को संरक्षित रखना समय की मांग और भविष्य के लिए आज की आवश्यकता है। अरावली पर्वतमाला देखा जाए तो थार के मरुस्थल के फैलाव को रोकने की प्राकृतिक तारबंदी या दीवार माना जा सकता है। एक तरह से मरुस्थलीय विस्तार पर प्राकृतिक अवरोध है। जल और वायु को संरक्षित करता है तो जैव विविधता को संरक्षित करती है। अरावली पर्वतमाला में जैव विविधता के साथ ही वन्यजीव गलियारे विकसित है। दरअसल अरावली पर्वतमाला केवल प्राकृतिक अवस्था नहीं है बल्कि अन्य सब कारकों के साथ ही इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। अरावली श्रृंखला धूलभरी आंधियों से संरक्षित करती है तो जल संरक्षण और नदियों का स्रोत भी है। वन्य जीवों सहित जैव विविधता को अपनी कोख में संरक्षित किये हुए हैं। अब दोहरा संकट सामने हैं। एक और अरावली के संरक्षण की आवष्यकता है तो दूसरी और बेशकीमती खनिजों का खनन भी समय की मांग है। हांलाकि जैसा नवंबर के आदेश के बाद विशेषज्ञों के विष्लेषण सामने आये हैं वह कहानी कुछ और ही कहता है पर यह विवाद या बहस का विषय हो सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय की नवीनतम टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि अवैध खनन एक प्रमुख कारण रहा है। हांलाकि दिसंबर के केप्ट इन एवियांस आदेश के साथ ही राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार ने प्रदेष में अरावली क्षेत्र के 20 जिलों में 29 दिसंबर, 25 से 15 जनवरी, 2026 तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए। अभियान के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1445 प्रकरण दर्ज हुए और संबंधित पुलिस थानों में 320 एफआईआर दर्ज कराई गई। इस दौरान 140 व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी हुई। 82898 टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया। अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 68 एक्सक्वेटर, जेसीबी सहित अन्य उपकरण जब्त किए गए और 1223 वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किये गये। अभियान के दौरान जुर्माने के रुप में 9 करोड़ 86 लाख रुपए की वसूली कर राजकोष में जमा किए गए। यह भौतिक उपलब्धि रही है। खैर आंकड़ों को अलग रख भी दिया जाए तो राजस्थान सरकार ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ईमानदार प्रयास किये हैं। केन्द्र सरकार ने भी अरावली संरक्षण को लेकर कार्ययोजना घोषित की है। इस क्षेत्र में खनन पर प्रतिबंध तो है ही। चिंतनीय और गंभीर सवाल यह उठता है कि नवंबर में सर्वोच्च न्यायालय के अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के कुछ समय बाद जिस तरह से अरावली संरक्षण के लिए देश व्यापी आवाज उठी और जिस तरह से डीपी लगाने और प्रदर्शन आदि का दौर चला वह दिसंबर में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नवंबर के आदेश को केप्ट इन एवियांस करने के साथ ही ना जाने कहां नेपथ्य में चला गया। हांलाकि अरावली पर्वतमाला को लेकर जिस तरह से आवाज उठाई गई वह जागरुकता की मिसाल मानी जा सकती है।

इक्कीसवीं सदी सौ टका बुद्धि केंद्रित

हरिशंकर व्यास

त्तरी ध्रुव के ग्रीनलैंड से लेकर दक्षिणी ध्रुव में चिली से नीचे तक के पूरे पश्चिमी उत्तरार्ध का स्वामी है अमेरिका। यह केवल ट्रंप की सनक नहीं है।

इक्कीसवीं सदी दिमाग की है और प्रमाण पूरी मानवता द्वारा चिप, एआई को मस्तिष्क बनाना है। औद्योगिक क्रांति का बीज भाप से ऊर्जा थी तो नई सहस्राब्दी की मानव क्रांति का बीज वह नया मस्तिष्क है जो डेटा सेंटरों, चिप, रोबो से गुंथता तथा विकसित होता हुआ है। और यह बिना दिल के है। उस नाते मेरा मानना है कि बीसवीं सदी दिल की थी जबकि इक्कीसवीं सदी सौ टका बुद्धि केंद्रित है। और बुद्धि पूरी तरह ठूंठ चिप, एआई निर्माण में केंद्रित है। अभी प्रारंभिक अवस्था है। बावजूद इसके यह दिखने लगा है कि जैसे यूरोपीय पुनर्जागरण से दिल-दिमाग के भभके बने, फिर भाप की औद्योगिक क्रांति के असर में पूंजीवाद बनाम सर्वहारा तथा गणित-गणना-सोच की कोडिंग से डिजिटल क्रांति और इंटरनेट से दुनिया ने भूमंडलीकरण के अनुभव लिए, तो अब बौद्धिक क्रांति मनुष्यता का दिल खो रहा है, लाठी आगे आई है।

भला कैसे? सोचें, यूरोप-अमेरिका 14-15वीं सदी के पुनर्जागरण से अब तक सभी क्रांतियों का जनक रहा, वह अब किस मोड़ पर है? गुजरी दास्तां में यूरोपीय देशों व ढाई सौ साल पुराने अमेरिका का साझा रहा। यूरोप से अमेरिका बना तो अमेरिका से यूरोप बचा। पर अब इक्कीसवीं सदी की जनवरी 2026 में क्या दिख रहा है? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जतला रहे हैं—भाड़ में जाए नाटो, यूक्रेन, यूरोप—वे तो वही करेंगे जो चाहेंगे! अमेरिका निर्विवाद नंबर एक महाशक्ति है। इसका नंबर एक प्रतीक अमेरिका की नई बुद्धिगत (संज्ञानात्मक क्रांति) छलांग है,

जिसके भाप-माफिक एल्गोरिद्म इंजन से वह भारत जैसे देशों की अरबों लोगों की दशा को 'गिग मनुष्यों' जैसी बना रहा है! ऐसी अकल्पनीय ताकत का स्वामी अमेरिका है मगर उसका व्यवहार, उसके राष्ट्रपति की सोच क्या है? उत्तरी ध्रुव के ग्रीनलैंड से लेकर दक्षिणी ध्रुव में चिली से नीचे तक के पूरे पश्चिमी उत्तरार्ध का स्वामी है अमेरिका। यह केवल ट्रंप की सनक नहीं है। यह उस सत्ता-बोध की अभिव्यक्ति है जो उन्हें चुनाव जिताने वालों, चंदा देने वालों, और उनके शपथ समारोह में उपस्थित उन डिजिटल-संज्ञानात्मक क्रांति की अगुआ कंपनियों के सीईओ, सभी में साझा रूप से मौजूद है कि दुनिया जब पहले ही उनकी मु_ी में है, तो भला राष्ट्रपति भवन से 'अमेरिका फर्स्ट का नगाड़ा क्यों न बजे? मेरा मानना है दुनिया-मु_ी का अमेरिकी अहंकार या चीन, रूस का अहंकार अपने-अपने ठोस आधार लिए हुए है। कोई दो अरब लोगों के इन तीन देशों के आगे पृथ्वी के बाकी छह अरब लोगों का वजूद कुल मिलाकर वैश्विक गिग भीड़ जैसा है। सोचें भारत के 145 करोड़ लोगों पर। यदि राष्ट्रपति ट्रंप अपनी कंपनियों को एक दिन अचानक भारत में गूगल, फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, यूट्यूब, एक्स बंद करने का आदेश दें तो कैसे तो भारत सरकार, प्रधानमंत्री मोदी का दफ्तर चलेगा और कैसे 145 करोड़ लोगों का दिमाग चलेगा! आज वास्तविकता है कि भारत की भीड़ न तो निर्णय-निर्माता, न नैरेटिव-निर्माता है और न ही इस काम की आवश्यक ज़रूरत में तकनीक-बुद्धि-ज्ञान-विज्ञान की मौलिक रचनाकार है। जैसे चीन यदि सामान सप्लाई बंद करे तो बाज़ार खाली हो जाने हैं तो नैरेटिव-आइडिया के पाइप यदि ट्रंप बंद करवा दें तो मंदिर के चक्कर लगाते कुत्ते की भक्ति के दर्शन भी स्क्रीन से गुल होंगे।

ऐसे ही बाकी देशों, दुनिया की छह अरब आबादी की दशा है। यूरोप भी इसमें शामिल है। जैसे भारत आश्रित है वैसे यूरोप भी अमेरिका और चीन पर निर्भर है। अमेरिका ने दिमाग, नैरेटिव और चीन ने सामान, आवश्यकताओं की वह सप्लाई बनाई है, जिसका ये शायद ही कोई तोड़ निकाल पाएं। अमेरिका की खूबी है कि वह किसी बात में किसी पर निर्भर नहीं है, तो चीन का पच्चीस वर्षों का यह कमाल है, जिसने दुनिया की फैक्टरी व सप्लाई-चेन बनकर लगभग सभी बाज़ारों पर एकाधिकार बना लिया है। उसकी तोड़ केवल अमेरिका के पास है। उसे डोनाल्ड ट्रंप अपने यहां से अगले तीन वर्षों में बेदखल कर देने वाले हैं। इसलिए क्योंकि ट्रंप और उनके अनुदारवादी अमेरिकियों ने तय किया है कि लाठी और बुद्धि जब है तो दुनिया पूरी तरह उनकी मु_ी में बंद हो! तभी इक्कीसवीं सदी का विश्व, दिमाग व लाठी के उस मिक्स की है जो बीसवीं सदी से जुदा है। बीसवीं सदी में दो महायुद्ध हुए, जर्मनी के हिटलर से लेकर तमाम तरह के दक्षिणपंथी नेताओं ने तानाशाही की विभीषिका बनाई, तो कम्युनिस्ट विचारधारा में स्टालिन, माओ, पोल-पोट जैसे नरभक्षियों के हाथों नरसंहार हुए। बावजूद इसके अंततः मानवता ने स्वतंत्रता, उदारता की नई विश्व-व्यवस्था रची। उपनिवेश खत्म हुए। विकास-भूमंडलीकरण से दुनिया के एक गांव में बदलने की अनहोनी हुई।

मतलब बीसवीं सदी की धुरी में मानव, मानवाधिकार, उदारवाद के वैश्विक सरोकार ऐसे सघन थे, जिसकी नेटवर्किंग ने मनुष्यों का जीना न केवल आसान बनाया, बल्कि घुलने-मिलने सहित अवसरों के मार्ग बने। तभी अतिवादी अनुभवों के बावजूद बीसवीं सदी जन-मन के दिली सफ़र की थी। आम धारणा है कि औद्योगिक क्रांति से असमानता, शोषण हुआ। पूंजीवाद मज़दूर-सर्वहारा वर्ग का खून चूसता था। पर वह दौर यदि एडम स्मिथ पैदा करने वाला था तो कार्ल मार्क्स को भी जन्म देने वाला था। पूंजीवाद के साथ जनवाद, कल्याणकारी व्यवस्था भी बनवाने वाला था। दोनों के प्रयोग में जो हुआ सो हुआ पर सौ फूल खिलने की सदी तो बनी थी। पहली बार सभ्यताओं के संघर्ष की थ्योरी के बीच 'इतिहास के अंत तथा होमो सेपियंस के रूप में मानवता के साझा भविष्य का हिसाब-किताब सोचा और लिखा गया। उस सब पर इक्कीसवीं सदी में ब्रेक है। गंगा उलटी बहने लगी है। भावना, उदारता, दिल और मन नहीं, बल्कि गणित, मुनाफ़े तथा ठूंठपन का वह दिमागी कोना एक्टिव है, जिससे सभी तरफ लोकतंत्र की लोक-भावना झांसों में बहकी हुई है। मतलब जन खाते में पांच सौ या दो हज़ार, तीन हज़ार रुपए आ गए तो विकास घर पहुंचा और नैरेटिव की अमेरिकी पाइपलाइनों से झूठ की टोटी खुली तो विश्वगुरु बन गए। मात्र भारत का मामला नहीं है। तुर्की में भी ऐसा है तो फ्रांस, जर्मनी और अमेरिका में भी ऐसा है। डोनाल्ड ट्रंप की उपज उस पोस्ट-ट्रुथ से है, जिसमें अमेरिका का देहाती गोरा भी उसी विषाणु का मारा है जैसे गंगा-जमुना किनारे का ब्राह्मण है या कोईरी-कुर्मी है या दक्षिणी फ्रांस में वाइन बनाने वाला किसान (दक्षिणपंथी नेत्री ले पेन समर्थक) है। भूमंडलीकरण, इस्लाम और चीन—तीन ऐसे फ़निॉमिना थे या हैं, जिससे बीसवीं सदी का खुला दिमाग अचानक सिकुड़ा। हर कोई इस झूठ में जीने लगा कि हम असुरक्षित हैं। नतीजतन या तो 'अमेरिका फर्स्ट नहीं होने का स्यापा बना या दिमाग सुरक्षा, पहचान, अस्मिता में भयाकुल हुआ।

सो, खुली दुनिया, खुले दिल पर दिमाग में ताले लगने शुरू हुए। स्वाभाविक जो अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का ताला और लाठी उभरी। कल की ही बात है। ग्रीनलैंड को खरीदने के ट्रंप के इरादे के खिलाफ ग्रीनलैंडवासियों और डेनमार्क के लोगों ने प्रदर्शन कर जब कहा कि 'यह इलाक़ा बिक्री के लिए नहीं है तो ट्रंप ने तुरंत लाठी भांजते हुए घोषणा की कि जो यूरोपीय देश ग्रीनलैंड लेने के उनके इरादे में बाधक बनेंगे, उन पर वे नए सिरे से टैरिफ बढ़ाएंगे। मतलब डेनमार्क सहित ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के सामानों पर एक फ़रवरी से दस प्रतिशत टैरिफ बढ़ेगा। वह एक जून को 25 प्रतिशत हो जाएगा! इसके जवाब में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा, 'न तो डराने-धमकाने से और न ही किसी धमकी से हम प्रभावित होंगे—न यूक्रेन के मामले में और न ग्रीनलैंड के'। स्वीडन के प्रधानमंत्री का कहना था— 'हम अपने आप को ब्लैकमेल नहीं होने देंगे'। वही ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने अमेरिकी टैरिफ धमकी को 'पूरी तरह ग़लत' बताया। सोचें, यूरोपीय देशों पर ट्रंप की इस लाठी पर। ग्रीनलैंड का स्वामी डेनमार्क नाटो का सदस्य है, तो ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी आदि वे देश भी हैं, जिन्होंने अमेरिकी धमकी के बाद ग्रीनलैंड में अपने सैनिक उतार ट्रंप को मैसेज दिया। सवाल है एक फ़रवरी से जब यूरोपीय देशों को अमेरिका से व्यापार में दस प्रतिशत का घाटा होगा तो नाटो एलायंस व यूरोप-अमेरिका के रिश्ते किधर जाएंगे?

टिप्पणी

गिग वर्कर यूनियनों की मांगे

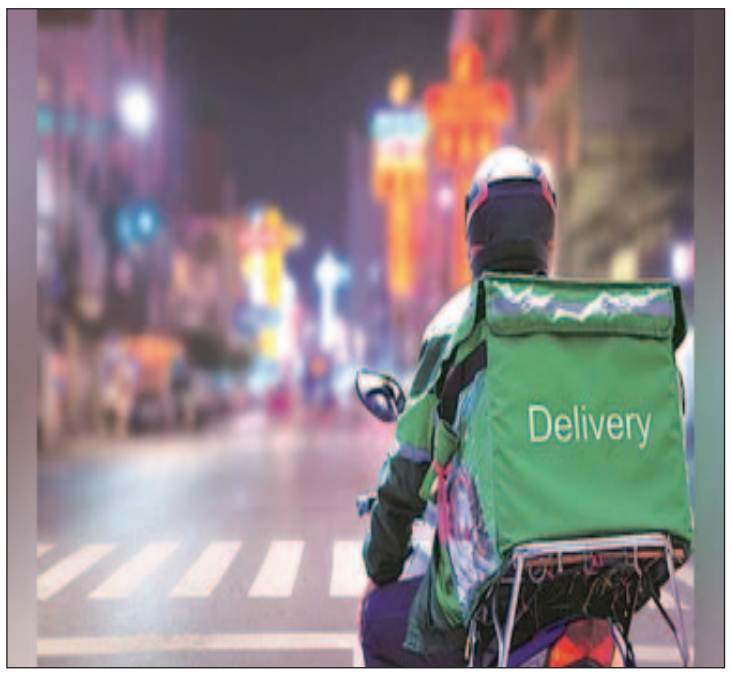

जब गिग वर्क का चलन तेजी से बढ़ रहा हो, इस काम में लगे श्रमिकों के लिए कामकाज की अपेक्षाकृत अधिक मानवीय परिस्थितियां सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। गिग वर्कर यूनियनों की बाकी मांगों पर भी सरकार को ध्यान देना चाहिए।

ऐप के जरिए वस्तुओं की दस मिनट के अंदर डिलीवरी के चलन को रुकवाने के लिए केंद्र सरकार ने उचित हस्तक्षेप किया है। इसका नतीजा तुरंत सामने आया। केंद्रीय श्रम मंत्री के साथ ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विजी, जमैटो आदि ऐप्स की संचालक कंपनियों के अधिकारियों की हुई बैठक में दस मिनट के अंदर डिलीवरी को रोकने पर सहमति बनी। इन कंपनियों का दावा था कि दस मिनट के अंदर डिलीवरी सुनिश्चित करवाने के लिए उन्होंने बड़ी संख्या में अतिरिक्त वेयरहाउस खोले और अधिक संख्या में डिलीवरी ब्वॉयज की सेवा ली, मगर घर- घर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों की नई बनी यूनियनें इस बात से सहमत नहीं थीं। इसीलिए बीते 25 और 31 दिसंबर को जब उन्होंने हड़ताल का आयोजन किया, तो उसमें एक प्रमुख मांग थी कि दस मिनट की शर्त को खत्म किया जाए।

उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय श्रम मंत्रालय को ज्ञापन दिया, जिस पर श्रम मंत्री ने स्वागत-योग्य पहल की। जिस दौर में गिग वर्क का चलन तेजी से बढ़ रहा हो, इस काम में लगे श्रमिकों के लिए कामकाज की अपेक्षाकृत अधिक मानवीय परिस्थितियां सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। गिग वर्कर यूनियनों ने इस संबंध कई और खास मांगें सामने रखी हैं। चूंकि ऐप संचालक कंपनियों ने उन पर विचार करने का कोई संकेत अपनी तरफ से नहीं दिया है, इसलिए अपेक्षित होगा कि सरकार अपनी ये पहल आगे बढ़ाए।

गौरतलब है कि यूनियनों ने न्यूनतम किस्म की मांगें ही रखी हैं। उनमें यह शामिल नहीं है कि गिग वर्करों को कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। सिर्फ ऐसा हो जाए, तो इन कर्मियों को कई कानूनी सुरक्षाएं मिल जाएंगी। ब्रिटेन में न्यायिक निर्णय से ऐसे कर्मियों को कर्मचारी का दर्जा मिला था। फिलहाल भारत में मांग यही है कि वर्कर्स को उचित कमीशन मिले, डिलीवरी संबंधी सख्त समयसीमा हटाई जाए और कर्मचारियों को सेवा से हटाने (उनके ऐप को डिसएबल करने) से पहले उनका पक्ष सुना जाए। इनमें एक मांग अब पूरी हुई है। इससे गिग वर्करों को राहत मिलेगी। मगर उनके कामकाज की परिस्थितियों को बेहतर एवं मानवीय बनाने के लिए उनकी बाकी मांगों पर भी गौर किया जाना चाहिए।

ब्लॉग

मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स ने ट्रंप की टैरिफ वाली राजनीति को दिया तगड़ा जवाब

नीरज कुमार दुबे

भारत और यूरोपीय संघ के बीच लंबे इंतजार के बाद मुक्त व्यापार समझौता आखिरकार संपन्न हो गया। इसे दोनों पक्षों ने मदर ऑफ ऑल डील्स कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा के साथ इस समझौते के राजनीतिक ऐलान पर हस्ताक्षर और आदान प्रदान हुआ। इस अवसर पर यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि आज भारत और यूरोप इतिहास बना रहे हैं। यह समझौता दो अरब लोगों का मुक्त व्यापार क्षेत्र तैयार करता है जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल शुरुआत है और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर को भारत के आर्थिक भविष्य के लिए निर्णायक बताते हुए कहा कि भारत और यूरोपीय संघ मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग पच्चीस प्रतिशत और दुनिया के कुल व्यापार का करीब एक तिहाई हिस्सा रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों और करोड़ों यूरोपीय नागरिकों के लिए नए अवसर खोलेगा।

हम आपको बता दें कि इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत यूरोपीय संघ अपने लगभग 97 प्रतिशत वस्तु निर्यात पर भारत में शुल्क हटाएगा या कम करेगा। इससे हर साल करीब चार अरब यूरो की बचत होगी। भारत के लिए इसका मतलब है कि यूरोपीय कारें, बीयर, जैतून का तेल और प्रोसेस्ड फूड सस्ते होंगे। वहीं भारत को कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और कई श्रम आधारित क्षेत्रों में शुल्क मुक्त या रियायती पहुंच मिलेगी। देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के बाद भारत में कई यूरोपीय उत्पाद सस्ते होने की संभावना है। इस समझौते के तहत यूरोप से आयात होने वाली प्रीमियम कारों पर शुल्क में कटौती होगी जिससे बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज जैसी गाड़ियां पहले के मुकाबले कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगी। यूरोपीय शराब, बीयर और वाइन पर भी टैक्स घटेगा जिससे ये उत्पाद आम उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ होंगे। इसके अलावा, चॉकलेट और अन्य खाद्य वस्तुएं भी सस्ती हो सकती हैं। साथ ही मेडिकल उपकरण, ऑप्टिकल मशीनें और उन्नत तकनीकी सामान पर शुल्क हटने से स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योगों की लागत कम होगी। वहीं रत्न, आभूषण और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों में शून्य शुल्क का लाभ मिलने से इन उत्पादों की कीमतों पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा और घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

समझौते के तहत मशीनरी, रसायन और दवाओं पर ऊंचे शुल्क लगभग खत्म हो जाएंगे। विमान और अंतरिक्ष उपकरणों पर भी शुल्क हटाने का रास्ता साफ हुआ है। यूरोपीय संघ का अनुमान है कि इससे वर्ष 2032 तक उसका भारत को निर्यात दोगुना हो सकता है। साथ ही दोनों पक्षों ने व्यापार के साथ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी की भी घोषणा की है। यूरोपीय संघ ने अगले दो वर्षों में पांच सौ मिलियन यूरो की सहायता से भारत के हरित ऊर्जा और जलवायु प्रयासों को समर्थन देने की बात भी कही है। यह समझौता केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु और रणनीतिक आयाम भी रखता है। हम आपको यह भी बता दें कि इस समझौते के लागू होने में अभी कुछ समय लगेगा और इसके 2027 की शुरुआत में प्रभावी होने की संभावना है।

देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता बदलती वैश्विक राजनीति में एक स्पष्ट संदेश भी है। यह संदेश खास तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव और टैरिफ आधारित नीति के लिए करारा झटका है। बीते वर्षों में अमेरिका ने व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल किया। ऊंचे शुल्क धमकियां और सहयोगियों पर दबाव ट्रंप की पहचान बन गई। भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर अतिरिक्त शुल्क और यूरोप पर लगातार दबाव इसी नीति का उदाहरण हैं। ऐसे माहौल में भारत और यूरोपीय संघ का एक दूसरे के साथ इतनी व्यापक डील करना यह दिखाता है कि दुनिया अब दबाव नहीं बल्कि साझेदारी चाहती है

यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका और यूरोप के बीच व्यापार वार्ता ठंडी पड़ी हुई है। यूरोप ने साफ कर दिया कि वह अपमान और धमकी की राजनीति के आगे नहीं झुकेगा। भारत ने भी अमेरिका के साथ व्यापार वार्ताओं में कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी लाल रेखा स्पष्ट रूप से सामने रखी है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में आत्मविश्वास और व्यवहारिकता का नया मेल दिखाया है। भारत ने अमेरिका, यूरोप, रूस और एशिया सभी के साथ अपने हितों के आधार पर संबंध रखे। भारत न तो किसी दबाव में झुका और न ही टकराव की भाषा अपनाई। यही कारण है कि यूरोपीय संघ जैसा जटिल समूह भारत के साथ इतने व्यापक समझौते पर सहमत हुआ।

सामरिक दृष्टि से यह समझौता वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को विविध बनाने में मदद करेगा। चीन पर निर्भरता कम करने और सुरक्षित सप्लाई चेन बनाने की यूरोप की जरूरत भारत को स्वाभाविक साझेदार बनाती है। यह समझौता भारत के लिए तकनीक निवेश और रोजगार का नया रास्ता भी खोलता है। साथ ही रक्षा और सुरक्षा सहयोग से हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को भी बल मिलेगा। यह डील यह भी दिखाती है कि व्यापार समझौते केवल आर्थिक लाभ के लिए नहीं बल्कि राजनीतिक संतुलन के लिए भी होते हैं। भारत और यूरोप दोनों ही यह संकेत दे रहे हैं कि वह बहुध्रुवीय दुनिया में स्वतंत्र फैसले लेने को तैयार हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति के उलट यह समझौता संवाद, विश्वास और सम्मान पर टिका है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि भारत और यूरोपीय संघ का यह मुक्त व्यापार समझौता नई वैश्विक व्यवस्था की झलक है। जहां दबाव की जगह साझेदारी है और धमकी की जगह भरोसा। मोदी सरकार की विदेश नीति ने भारत को इस मुकाम पर पहुंचाया है जहां वह न केवल अपने हितों की रक्षा करता है बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी निर्णायक भूमिका निभाता है। यही इस ऐतिहासिक समझौते की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

टोल, बॉर्डर, चेकिंग सब पार... कैसे 1700 KM सफर कर मुरादाबाद पहुंची नशे की खेप? ट्रक में लकड़ियों के बीच छिपाया गया

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। त्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में एसटीएफ मेरठ और पाकबड़ा थाना पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दिल्ली हाईवे पर बागड़पुर ओवरब्रिज के पास घेराबंदी कर ओडीशा से आ रहे एक ट्रक को पकड़ा, जिसमें लकड़ियों के नीचे बेहद चालाकी से छिपाकर रखा गया भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि ट्रक में कुल 113 क्विंटल गांजा छिपाया गया था।

इस मामले में पुलिस ने तीन तस्करों राकेश, नन्हें और आसिफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि गिरोह का सरगना अभी भी फरार है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे ओडिशा से करीब 7 हजार रुपये प्रति किलो की दर से गांजा खरीदते थे और उसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में 10 हजार रुपये प्रति किलो तक बेचते थे। बरामद नशीले पदार्थ की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों से लेकर करोड़ों रुपये तक आंकी जा रही है।

ट्रक ने कई राज्यों की सीमाएं पार कीं

ओडिशा से मुरादाबाद तक की दूरी लगभग 1700 किलोमीटर है। इस लंबे सफर के दौरान ट्रक ने कई राज्यों की सीमाएं पार कीं, अनेक टोल प्लाजा से गुजरा और रास्ते में ढाबों पर भी रुका, लेकिन कहीं भी जांच में यह खेप पकड़ में नहीं आई। इतनी भारी मात्रा में गांजा लेकर वाहन का उत्तर प्रदेश तक पहुंच जाना यह अलग-अलग राज्यों की पुलिस की कार्यशैली पर सवाल भी है।

मेरठ एसटीएफ को मिली थी सूचना

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यदि मेरठ एसटीएफ को सटीक सूचना न मिलती, तो यह पूरा माल बाजार में खप सकता था। लकड़ियों के नीचे छिपाने की तरकीब से तस्करों ने जांच एजेंसियों को चकमा देने की कोशिश की, लेकिन अंततः उनकी योजना नाकाम रही। अब जांच इस बात पर केंद्रित है कि यह सिंडिकेट किन-किन राज्यों में सक्रिय है, इसके तार किन लोगों से जुड़े हैं और मास्टरमाइंड कहां छिपा है।

सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुए सडक हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बुधवार की रात यादव नगर औरा में स्कार्पियो और बाइक की जोरदार टक्कर में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताते है कि 30 वर्षीय गुड्डू पुत्र रामलाल निवासी यादव नगर और उनके 35 वर्षीय जीजा संतोष निवासी पोखरिया लाला बाजार, सिकरारा, जौनपुर तथा 14 वर्षीय आकाश उर्फ सिपाही बैटरी लेकर तीनों बाइक से जा रहे थे तभी यादव नगर औरा के पास सामने से आ रही स्कार्पियो ने बाइक की जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों की ही मौके पर ही मौत हो गई। जबकि आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया।दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड मौके पर इकट्ठा हो गई । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के घरों में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि गुड्डू के बड़े भाई राहुल के बेटी के लडके की बरही का कार्यक्रम था जिसमें बिजली कट जाने के कारण बैटरी लेने के लिए घर से हाईवे स्थित टेंट हाउस पर गये। बैटरी लेने के बाद बैटरी कनेक्शन लगाने के लिए आकाश पुत्र स्वर्गीय रमाशंकर गौतम वह भी बाइक पर बैठ गया। तीनों जैसे ही बाइक लेकर घर की तरफ बढे जौनपुर की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही स्कार्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी।जिसमें गुड्डू और उनके जीजा संतोष की मौके पर ही मौत हो गई जबकि आकाश गंभीर रूप से घायल भदोही के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मछलीशहर में अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से एक बालक की मौत हो गई। कोतवाली पुलिस ने बालक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रतापगढ जिले के कर्मजीतपुर, दिलीपपुर बाजार निवासी माया देवी पटेल पत्नी राम लाल पटेल अपने बेटी सुमन के सात वर्षीय पुत्र अंश पटेल को अपने साथ अंश पटेल के मौसा विवेक पटेल निवासी मतरी, मथुरा के यहां लगभग दस दिन पहले लेकर आई थी। बुधवार देर सांय अंश मछलीशहर सुजानगंज मार्ग के किनारे खडा था। इसी दौरान एक अनियंत्रित ट्रक अंश को कुचल मौके से फरार हो गया। बालक की मौत की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंचे परिजनो में कोहराम मच गया। मौके पर मौजूद अगल बगल के लोगो ने कोतवाली पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने बालक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया चालक सहित ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। माया देवी की तहरीर पर ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बैरक की दीवार तोड़ी, बाउंड्री वॉल से कूदे और... आधी रात को अयोध्या की जेल से दो कैदी फरार, अधीक्षक सहित 7 सस्पेंड

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या से बड़ी खबर सामने आई है, जहां जिला जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। देर रात जिला कारागार से दो कैदी अचानक कहीं फरार हो गए, जिससे जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। फरार कैदियों की पहचान गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज अग्रहरी निवासी अमेठी और शेर अली निवासी सुल्तानपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों कैदी गंभीर मामलों में जेल में बंद थे।

गोलू अग्रहरि हत्या के प्रयास के मामले में जेल में बंद था, जबकि शेर अली बलात्कार के आरोप में न्यायिक हिरासत में था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, दोनों कैदियों ने तन्हाई के बैरक की दीवार तोड़ी और उसके बाद जेल की बाउंड्री वॉल कूदकर फरार हो गए। कैदियों के फरार होने की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई। तुरंत पुलिस और जेल प्रशासन की कई टीमें गठित की गईं और आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। जिले की सीमाओं पर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है।

फरार कैदियों की तलाश की जा रही

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी जेल एस।के। मैत्रीये मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। जेल की सुरक्षा व्यवस्था, ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों और लापरवाही के बिंदुओं की गहन जांच की जा रही है। फिलहाल, फरार कैदियों की तलाश जारी है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है।

7 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया

वहीं, इस पूरे मामले में अब तक DG जेल PC मीडा ने बड़ी कार्रवाई की है। जेल अधीक्षक उदय प्रताप मिश्र के साथ-साथ कुल 7 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। जेल अधीक्षक उदय प्रताप मिश्र ने बताया कि देर रात अरगड़े के पास से दोनों कैदी 30 से अधिक ईंटों को निकाल कर जेल की दीवार को फांद कर जेल से फरार हुए हैं।

नोएडा में पति–पत्नी ने जहर खाकर किया सुसाइड, 3 बच्चों को भी खिलाया, हालत गंभीर

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है जहां पर तीन बच्चों के सामने पति-पत्नी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब बच्चे दरवाजा खोलकर कमरे में गए तो उन्होंने अपने माता-पिता को बेड पर लेटा हुआ पाया। उन्हें जगाने पर जब वह नहीं जगह तो इसकी सूचना पड़ोसियों को दी। मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने देखा तो उनके मुंह से झाग निकल रहे थे, जिसके बाद तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों मृत्यु के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं कमरे में जहर की चपेट में आने से तीनों बच्चे भी बेहोश हो गए, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल भर्ती कराया। उनकी हालत को गंभीरता से देखते हुए दिल्ली रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, प्रयागराज

के रहने वाले श्रवण कुमार जोकि नोएडा के सेक्टर 63 में प्राइवेट कंपनी में जॉब करते हैं। पिछले 8-10 सालों से सादुल्लापुर गांव में मकान बनाकर अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रह रहे थे। रात को सभी खाना खाकर सोए थे लेकिन जब सुबह नहीं उठे तो आसपास के लोगों को हलचल न होने पर कुछ शक हुआ। उन्होंने देखा तो पति-पत्नी बेड पर लेटे हुए थे। उनके मुंह से जहर निकल रहा था। वहीं पास में बच्चे भी बेहोश हालत में मिले। इसके बाद इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृत्यु को के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं तीनों बच्चों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। उनकी हालत की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली रेफर कर दिया गया है।

तीनों बच्चों की हालत गंभीर

फिलहाल, तीनों खतरे से बाहर बताई जा रही हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कमरे से किसी भी तरह का कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। आशंका जताई जारी है कि पारिवारिक क्लेश या आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या की वजह हो सकती है, लेकिन पुलिस हर एंगल पर जांच कर रही है।

जांच में जुटी पुलिस

ईकोटेक थर्ड ने बताया कि इस घटना में दंपति के तीन बच्चे भी जहर के संपर्क में आ गए थे। बच्चों की पहचान वैष्णवी, वैभव और लाडो के रूप में हुई है। बेहोशी की हालत में बच्चों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टर के निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर के अनुसार बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर है। पति-पत्नी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं उनके परिजनों को भी इसकी सूचना दे दी गई है। आज पड़ोस के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। फिलहाल किन कारण से यह कदम उठाया गया है। इस पर अभी जांच की जा रही है

निर्वाचन आयोग के अनुशप कार्य करें : विशेष रोल प्रेक्षक

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। संयुक्त सचिव, युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार/विशेष रोल प्रेक्षक कुणाल (आई.ए.एस.) की अध्यक्षता में गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में ईआरओ एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) से संबंधित कार्यों को लेकर समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा हुई तथा सुझाव लिये गये। रोल प्रेक्षक को जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया कि एसआईआर के दौरान निर्धारित टाइमलाइन के अनुसार घर-घर गणना पत्रों का वितरण किया गया, डिजिटाइजेशन किया गया तथा मृतक, अनुपस्थित, शिफ्टेड के डाटा को अनमैप्ड की श्रेणी में रखा गया। 06 जनवरी को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया गया। एसआईआर के दौरान सभी राजनैतिक दलों के साथ लगातार बैठक कर अद्यतन जानकारी दी गई। प्रेक्षक द्वारा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से फीडबैक भी लिया गया, बताया गया कि एसआईआर के कार्यों के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी के कुशल नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा पूरा सहयोग प्राप्त हुआ। विशेष रोल प्रेक्षक ने सभी ईआरओ को निर्देश दिया कि राजनैतिक दलों के साथ समन्वय कर एसआईआर के कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पादित करें। उन्होंने सभी ईआरओ से विधानसभावार मैपिंग की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली तथा जनसुनवाई केंद्र बनाकर अनमैप्ड मतदाताओं के साक्ष्य मिलान हेतु सुनवाई किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

राज मर्डर केस में एनकाउंटर, मुठभेड़ में मारा गया शूटर अरबाज

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के राज चौहान हत्याकांड में मुख्य आरोपी अरबाज खान उर्फ मंसूरी आज सुबह पुलिस एनकांउट में मारा गया। एनकाउंटर में दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक आरोपी पुलिस की पिस्टल छीनकर भाग रहा था और रोकने पर उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। वहीं पुलिस की जवाब कार्रवाई में वह मारा गया।

हत्या मामले में गठित पुलिस टीम मुख्य आरोपी अरबाज खान उर्फ मंसूरी निवासी खंदौली, आगरा को घटना में प्रयोग किए गए गए तमंचे की बरामदगी के लिए लेकर गई थी। इस दौरान आरोपी टेड़ी बगिया क्षेत्र में कांशीराम आवास के पास उपनिरीक्षक की सरकारी पिस्टल छीनकर भागा और पुलिस पर

फायरिंग शुरू कर दी।

अरबाज खान की फायरिंग से आरक्षी मनोज कुमार, उपनिरीक्षक ऋषि घायल हो गए। वहीं उपनिरीक्षक हरेन्द्र कुमार थाना प्रभारी ट्रांस यमुना व निरीक्षक भानु प्रताप थाना प्रभारी कोतवाली के बुलट प्रूफ जैकेट पर एक-एक गोली लगी। पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी को एक गोली छापी में और दूसरी दाएं पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया।

पुलिस उसे तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर गई, जहां से उसे एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया और वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। वहीं घायल दोनों पुलिसकर्मियों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

क्या था पूरा मामला?

23 जनवरी 2026 की रात्रि में थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में राज चौहान नामक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। थाना ट्रांस यमुना ने आरोपी मंसूरी के खिलाफा मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस उपायुक्त नगर सैय्यद अली अब्बास के नेतृत्व में मामले की जांच करने के लिए 9 टीमों का गठन किया गया था। जिसके बाद मुख्य आरोपी अरबाज खान उर्फ मंसूरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

60 वाहनों का चालान, 1313 नर्सिंग होम को नोटिस

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नगर में ट्रैफिक पुलिस ने गुरुवार को सडकों पर गलत तरीके से वाहन खडे करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान 40 दोपहिया और 20 चारपहिया वाहनों का चालान किया गया। यह कार्रवाई मुख्य रूप से उन नर्सिंग होम के बाहर की गई, जहां पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं है। ट्रैफिक इंचार्ज सुशील कुमार मिश्रा ने बताया कि नर्सिंग होम में पार्किंग की व्यवस्था न होने के कारण सडकों पर अक्सर जाम लग जाता है। इसी समस्या को देखते हुए यह अभियान चलाया गया और वाहनों का चालान किया गया। पुलिस ने नर्सिंग होम संचालकों को पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने की चेतावनी भी दी। शहर में यातायात बाधित होने का एक प्रमुख कारण ऐसे प्रतिष्ठान हैं, जिनके पास पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं है। नईगंज क्षेत्र विशेष रूप से प्रभावित है, जहां नर्सिंग होम के बाहर बेतरतीब खड़े वाहन और एंबुलेंस अक्सर यातायात को रोकते हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी होती है।ट्रैफिक पुलिस ने नगर के 13 नर्सिंग होम संचालकों को पहले ही नोटिस जारी कर दी है। इन नोटिसों में तत्काल पार्किंग की व्यवस्था करने और वाहनों को व्यवस्थित तरीके से खडा कराने के लिए एक जिम्मेदार व्यक्ति नियुक्त करने का निर्देश दिया गया है, ताकि मार्ग अवरुद्ध न हो।कुछ समय पहले भी 25 संचालकों को इसी संबंध में नोटिस दी गई थी, जिसके बाद कुछ प्रतिष्ठानों ने अपनी व्यवस्थाओं में सुधार किया था। हालांकि, अभी भी कई जगहों पर पार्किंग की बुनियादी सुविधा का अभाव है। पार्किंग की कमी से आम लोगों के साथ-साथ मरीजों को भी असुविधा होती है।

थाईलैंड की महारानी पहुंचीं कुशीनगर, बुद्ध की लेटी हुई प्रतिमा पर चढ़ाया चीवर, उप प्रधानमंत्री बोर्नवॉर्नसाक संग की विशेष पूजा

आर्यावर्त संवाददाता

कुशीनगर। थाईलैंड की महारानी सिनीनाथा बिलासाकल्याणी ने कुशीनगर पहुंचकर भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की और चीवर चढ़ाया। भारत की 10 दिवसीय यात्रा पर आईं महारानी ने मुकुट बंधन चैत्य और थाई मॉनेस्ट्री में भी दर्शन किए। इस यात्रा से भारत-थाईलैंड के सांस्कृतिक और राजनयिक संबंधों को नई मजबूती मिली है।

बौद्ध आस्था और भारत थाईलैंड मित्रता का संगम आज कुशीनगर में देखने को मिला। जब थाईलैंड की महारानी चखुन फ्रा सिनीनाथा बिलासाकल्याणी कुशीनगर पहुंचीं। थाईलैंड की महारानी सिनीनाथा बिलासाकल्याणी के साथ थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री बोर्नवॉर्नसाक भी मौजूद रहे। महारानी ने कुशीनगर

स्थित भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की।

इस दौरान उन्होंने भगवान बुद्ध की लेटी हुई प्रतिमा पर चीवर अर्पित किया। इसके बाद महारानी तथागत बुद्ध के अंतिम संस्कार स्थल मुकुट बंधन चैत्य की परिक्रमा कर पूजा की। विशेष पूजा में थाईलैंड से आए बौद्ध अनुयायी और भिक्षु भी शामिल हुए। महारानी की सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रही। यूपी पुलिस के साथ-साथ थाईलैंड की सुरक्षा एजेंसियां भी तैनात रहीं। कुशीनगर में महारानी की इस यात्रा से भारत-थाईलैंड के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूती मिली है।

भारत की 10 दिवसीय यात्रा पर हैं महारानी

बताया जा रहा है कि महारानी कल 28 जनवरी की शाम कुशीनगर स्थित थाई मंदिर पहुंची थीं, जहां जिला प्रशासन और जनपद के बौद्ध भिक्षुओं ने उनका भव्य स्वागत किया। गौरतलब है कि महारानी सिनीनाथा बिलासाकल्याणी 21 जनवरी को भारत की 10 दिवसीय यात्रा पर आई थीं। इस यात्रा के दौरान वह गया, वाराणसी और कुशीनगर पहुंच चुकी हैं। कुशीनगर के बाद महारानी लुंबिनी जाएंगी और 30 जनवरी को थाईलैंड वापस लौटेंगी।

थाईलैंड के राजा नौवें राम भूमिबोल अदुल्यदेज की हुई पूजा

थाई मंदिर के पीआरओ अंबिकेश त्रिपाठी ने बताया कि कड़ी सुरक्षा के बीच बुधवार को महारानी सिनीनाथा बिलासाकल्याणी सीधे थाई मॉनेस्ट्री पहुंची, जहां उन्होंने विधिवत पूजा पाठ किया और छतरी भी चढ़ाई। महारानी ने मांडेस्ट्री में बने थाईलैंड के राजा नौवें राम भूमिबोल अदुल्यदेज के प्रतिमा की भी पूजा की।

ब्राह्मणों के प्रति अनुराग पैदा करता है अध्यात्म

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। अवध पैरामेडिकल कॉलेज एवं डॉक्टर शकुंतला आयुर्वेदिक एंड मेडिकल कॉलेज के संस्थापक डॉक्टर राम अवध यादव ने ब्राह्मण चेतना समिति से सदस्यों को अपने आवास पर सम्मानित किया।इस अवसर पर डॉक्टर यादव ने ब्राह्मण चेतना समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी को इक्यावन हजार रुपए का चेक प्रदान किया।डॉक्टर यादव ने कहा कि ब्राह्मण समाज का पथप्रदर्शक है और अध्यात्म के मार्ग पर चलनेवाले साधक का ब्राह्मणों के प्रति अनुराग स्वतः ही हो जाता है। जगतगंज इंटर कॉलेज के प्रबंधक पंडित रामकृष्ण त्रिपाठी, पूर्व डाक अधिक्षक पंडित प्रभाकर त्रिपाठी, पुस्तक कुटीर के अधिष्ठाता पंडित रामदयाल द्विवेदी, सेंटजॉन्स स्कूल के अध्यापक डॉक्टर रामजी तिवारी, पत्रकार एवं उद्यमी देवी सिंह तथा राहुल पांडेय उपस्थित रहे।

कितना हेल्दी है आपका रिलेशनशिप?

हर कोई अपने रिश्ते को लेकर इस गुमान में रहता है कि मैं एक हेल्दी रिलेशनशिप में हूं, लेकिन कभी-कभी ये गुमान भ्रम भी निकलता है। ऐसे में आपके मन में भी ये कौतुहल होगा कि मैं कैसे पता करूं कि मेरा रिश्ते हेल्दी है या नही। इसके लिए आप खुद से या पार्टनर से ये कुछ सवाल पूछ सकते हैं।

किसी भी रिश्ते की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि वो कितना हेल्दी है। एक हेल्दी रिलेशनशिप वो होता है जिसमें दोनों पार्टनर एक-दूसरे के साथ खुश, सेफ और सम्मानित महसूस करते हैं। लेकिन आज के समय में यही जानना सबसे ज्यादा मुश्किल होता है कि जिस रिश्ते में हम हैं, क्या वो स्वस्थ है या नहीं।

कभी-कभी कपल को लगता है कि उनका रिलेशनशिप हेल्दी चल रहा है, लेकिन दोनों का अपने-अपने मन में ऐसा सोचना कब रिश्ते को खराब कर देता है, ये पता लगा पाना कोई आसान काम नहीं है। इसलिए आज हम आपको इस लेख में कुछ सवालों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्हें खुद से या अपने पार्टनर को पूछकर इस बात का अंदाजा लगा सकती हैं कि आपका रिलेशन हेल्दी है या नहीं।

क्या आप एक-दूसरे के साथ खुलकर बात करते हैं?

भले ही आपके और पार्टनर के बीच लड़ाई न होती हो, लेकिन इसका मतलब ये कतई नहीं है कि आपका रिलेशनशिप हेल्दी है। इस बात का पता लगाने के लिए खुद से या फिर अपने पार्टनर से ये सवाल करें कि क्या आप दोनों जब भी साथ होते हैं, तो एक-दूसरे से खुलकर बात करते हैं?

किसी भी रिश्ते की सफलता के लिए खुलकर और स्पष्ट रूप से किया गया संवाद सबसे ज्यादा जरूरी होता है। अगर आप अपने पार्टनर से अपनी भावनाओं, विचारों और परेशानियों को बिना किसी डर और हिचकिचाहट के शेयर करते हैं और आपका पार्टनर भी आपकी बातों को ध्यान से सुनता है और आपको समझने की कोशिश करता है, तो यह कहना गलत नहीं होता कि आप हेल्दी रिलेशनशिप में हैं।

क्या आप एक-दूसरे के साथ खुश रहते हैं?

कभी-कभी ऐसा होता है कि हम अपने पार्टनर के साथ हंस तो रहे होते हैं, लेकिन वो खुशी सिर्फ चेहरे तक ही सीमित रह जाती है और हम दिल से खुश नहीं होते हैं। किसी भी रिश्ते का मकसद होता है एक दूसरे को खुश रखना और सभी सेटिस्फेक्शन को पूरा करना। अगर आप अपने पार्टनर के साथ समय बिताते वक्त खुश रहने के साथ-साथ एक-दूसरे की कंपनी को कंफर्ट और सेफ्टी के साथ एंजॉय करते हैं तो आप एक हेल्दी रिलेशनशिप में हैं।

क्या आप एक-दूसरे के लिए सैक्रिफाइस करते हैं?

किसी भी रिश्ते में एक न एक बार ऐसा समय जरूर आता है, जब वो टूटने की कगार पर आ जाता है। या दोनों के बीच ऐसी उलझनें पैदा हो जाती हैं जो रिश्ते में दरार लाने का काम करती हैं। ऐसे में ये देखें कि आपका पार्टनर रिश्ते को ठीक करने और आपसे बात करने के लिए कितनी कोशिशें कर रहा है।

किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए समर्पण जरूरी होता है। अगर आप दोनों में से एक भी अपने रिश्ते को बनाए रखने के लिए प्रयास करने को तैयार रहते हैं या मुश्किल समय में भी एक-दूसरे का साथ देने के लिए खड़े रहते हैं तो इसमें कोई दो राय नहीं है कि आपका रिश्ता स्वस्थ है, यानी की आपका रिलेशनशिप हेल्दी रिलेशनशिप है।

क्या आप एक-दूसरे की जरूरतों को पूरा करते हैं?

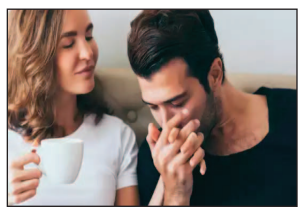

हेल्दी रिलेशनशिप तभी हेल्दी होता है जब एक-दूसरे का साथ देने के साथ-साथ हम अपने पार्टनर की सैक्सुअल नीड्स को भी पूरा करते हैं। ये बात कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होता कि दो लोगों के बीच अच्छा रिश्ता होने के बावजूद भी अगर उनके बीच एक अच्छा सेक्सुअल रिलेशन नहीं होता है, तो वो हेल्दी रिलेशनशिप नहीं कहलाता है। इसलिए अपने रिश्ते में इस बात पर भी गौर करें कि क्या आप दोनों एक-दूसरे की जरूरतों को पूरा करते हैं और इस बारे में पार्टनर से खुलकर बात करते हैं। अगर ऐसा नहीं है तो फिर इस टॉपिक पर पार्टनर से खुलकर बात करें और रिलेशनशिप को हल्दी बनाएं।

क्या आप एक-दूसरे के सपनों को सपोर्ट करते हैं?

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज के दौर में कपल एक दूसरे के सपनों को पूरा करने में पूरा सपोर्ट कर रहे हैं। लेकिन अपने पार्टनर के ड्रीम्स को ध्यान में रखकर आगे फ्यूचर की प्लानिंग करना एक किसी भी रिश्ते के लिए ग्रीन फ्लैग होता है, जो रिलेशनशिप को हेल्दी बनाने के लिए सबसे बड़ा प्लस पोइंट है। अगर आप या आपका पार्टनर आपका साथी रिश्ते, सपनों और भविष्य एक अच्छे भविष्य के लिए दोनों की जरूरतों को देखते हैं तो यकीनन आप एक हेल्दी रिलेशनशिप में हैं।

इन 5 सब्जियों से करें तौबा, अच्छे-खासे इंसान की किडनी में बना देती हैं पथरी, 99% लोग खाते हैं दूसरी सब्जी

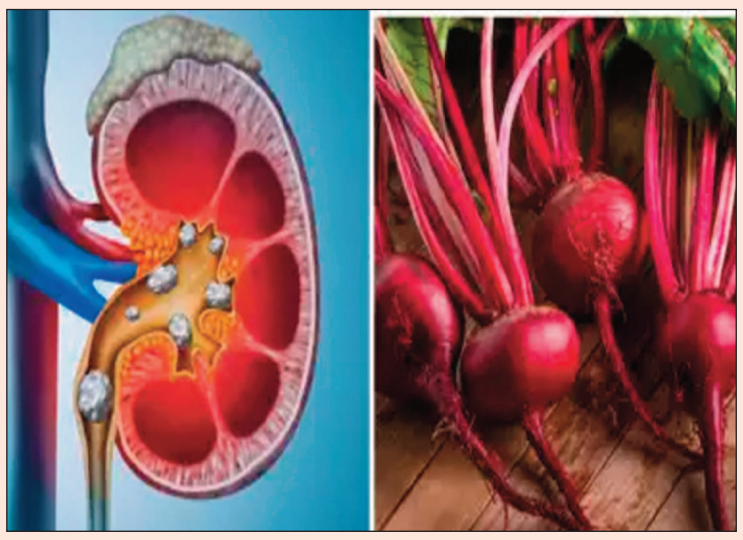

अगर आपको किडनी की पथरी से बचना है या फिर आप पहले से पीड़ित हैं, तो आपको इन सब्जियों के अधिक सेवन से बचना चाहिए क्योंकि इनमें ऑक्सालेट की अधिक मात्रा होती है, जो पथरी बनाने में देर नहीं करता।

किडनी की पथरी एक आम समस्या है जिससे अक्सर बहुत से लोग पीड़ति रहते हैं। किडनी में पथरी बनने के कई कारण हैं जिनमें एक कैल्शियम ऑक्सालेट भी है। ऑक्सालेट एक ऐसा पदार्थ है जो लीवर द्वारा बनता है। यह रोजाना खाई जाने वाले फल-सब्जियों सहित कई कई खाद्य पदार्थों में पाया जाता है।

कैल्शियम ऑक्सालेट किडनी की पथरी का सबसे आम प्रकार है। जब पेशाब में कैल्शियम ऑक्सालेट का लेवल बहुत अधिक हो जाता है, तो पथरी बन सकती है। खाने के बाद शरीर के भीतर बच हुए अपशिष्ट पदार्थ खून के रास्ते किडनी तक जाते हैं और वहां से पेशाब के जरिए शरीर से बाहर निकल जाते हैं। पेशाब में कई तरह के अपशिष्ट पदार्थ होते हैं जिनमें ऑक्सालेट भी है। ऑक्सालेट एक ऐसा पदार्थ है जो पेशाब में क्रिस्टल बना सकता है और पथरी का रूप ले सकता है।

अगर आपको किडनी की पथरी से बचना है या फिर आपको किडनी में पथरी है, तो आपको ऐसे खाद्य पदार्थों को खाने से बचना चाहिए जिनमें ऑक्सालेट की मात्रा अधिक होती है। मेडिकल कॉलेज ऑफ विस्कॉन्सिन (MCW) ने कुछ ऐसी सब्जियों के बारे में बताया है, जिनमें ऑक्सालेट की अधिक मात्रा होती है। किडनी के मरीजों को हर हाल में इनके सेवन से बचना चाहिए।

शतावरी

शतावरी को एक औषधीय सब्जी माना जाता है और इसका आयुर्वेद में भी कई विकारों के लिए इलाज में इस्तेमाल किया जाता है। अगर आपको किडनी की पथरी है, तो आपको इसके सेवन से बचना चाहिए। इसकी 100 ग्राम मात्रा में 5.12 मिलीग्राम ऑक्सालेट होता है।

आलू

एक आलू में करीब 97 मिलीग्राम ऑक्सालेट होता है। ज्यादातर ऑक्सालेट आलू के छिलके में होता है, हालांकि आलू के छिलके में फाइबर, विटामिन सी और बी विटामिन जैसे पोषक तत्व भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

ग्रीन बीन्स

ग्रीन बीन्स विभिन्न पोषक तत्वों जैसे में प्रोटीन, विटामिन और कैल्शियम आदि से भरपूर सब्जी है। इसके सेवन से दिल को स्वस्थ रखने में भी मदद मिलती है मगर किडनी के मरीजों को इससे बचना चाहिए क्योंकि इसकी 100 ग्राम मात्रा में 15 मिलीग्राम ऑक्सालेट होता है।

चुकंदर

चुकंदर की सब्जी का सब्जी बनाने और जूस और सलाद में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें आयरन, विटामिन और मिनरल्स अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं लेकिन इसमें ऑक्सालेट की मात्रा भी ज्यादा होती है। 100 ग्राम उबले चुकंदर में 675 मिलीग्राम ऑक्सालेट होता है।

जरा-जरा सी बात पर तिलमिला उठते हैं आप, तो खुद को करें कंट्रोल, वरना ब्लड वेसल्स होंगी खराब

गुस्सा किसे नहीं आता। कुछ लोग तो छोटी छोटी बात पर तिलमिला उठते हैं। जब आप गुस्से में होते हैं, तो दिमाग स्ट्रेस से भर जाता है और कोई भी काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसके कारण करीबी रिश्तों के साथ ही सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ सैकंड का गुस्सा भी आप दिल के लिए नुकसानदायक है।

आपने यह तो सुना ही होगा कि गुस्सा रग रग में बहता है। यह बात एकदम सच है। अमेरिकन हार्ट असोसिएशन में पब्लिश एक स्टडी के अनुसार, कुछ देर का गुस्सा भी आपकी ब्लड वेसेल्स को प्रभावित करता है। जानते हैं कैसे।

अगर आप भी गुस्से में आग बबूला हो जाते हैं, तो इसे कंट्रोल करना सीख लें। एक स्टडी के अनुसार कुछ सेकंड का गुस्सा भी आपकी ब्लड वेसेल्स को नुकसान पहुंचा सकता है। जिससे आगे चलकर हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ाता है।

निगेटिव फीलिंग बढ़ाती हैं हार्ट अटैक का खतरा

स्टडी में पाया गया है कि जब लोग खुद से जुड़ी किसी पुरानी बात को याद करते हैं, तो उन्हें बहुत गुस्सा आता है। इसका असर उनके हृदय पर भी पड़ता है। यानी की जब आप किसी भी तरह से गुस्सा करते हैं , तो आपकी ब्लड वेसेल्स काम करना बंद कर देती हैं। इस स्थिति में हृदय पर दबाव पड़ता है , जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक की संभावना बढ़ जाती है।

ऐसे हुई स्टडी

स्टडी में 280 प्रतिभागियों को शामिल किया गया था। इसमें उन्हें किसी एक पर्सनल मेमोरी को याद करना था, जिससे उन्हें गुस्सा आए या फिर एक ऐसी सीरीज पढ़नी थी, जो उन्हें उदास करे। इस बीच रिसर्चर्स ने इन लोगों की ब्लड वेसेल्स सेल्स को नोटिस किया, ताकि जाना जा सके कि एक नेगेटिव फीलिंग ब्लड वेसेल्स को किस तरह प्रभावित करती है। उन्होंने पाया कि गुस्से के कारण ब्लड वेसेल को फैलने में 40 मिनट का समय लगता है। जबकि जिन लोगों में चिंता और उदासी थी, उनमें ऐसा कोई बदलाव नहीं देखा गया।

40 मिनट दे सकते हैं लंबी समस्या

रिसर्चर्स के अनुसार, ये 40 मिनट एक बड़ी समस्या में बदल सकते हैं। रिसर्चर्स ने पाया कि गुस्से के कारण ब्लड वेसेल्स संकुचित हो जाती हैं और ठीक से फैल नहीं पातीं। बता दें कि सिकुड़ी हुई ब्लड वेसेल्स के कारण शरीर के हर अंग में ब्लड सर्कुलेशन कम हो जाता है, जिसका असर सबसे पहले हृदय पर पड़ता है।

गुस्से को कंट्रोल करने के तरीके

- गुस्सा आने पर अपना ध्यान भटकाएं।
- रिवर्स काउंटिंग करना शुरू कर दें।
- अगर आप किसी से गुस्सा हैं, तो बोलने से पहले दो बार सोच लें।
- एक्सरसाइज कर सकते हैं।
- अपने विचारों को एक डायरी में लिखना शुरू करें।

हवाई उड़ान में सामान गुम हो जाने पर पा सकते हैं मुआवजा

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(11) ₹कमी' को परिभाषित करती है और इस परिभाषा में ₹लापरवाही या चूक या ऐसा कार्य जिसके करने से उपभोक्ता को नुकसान या चोट पहुंचती है', शामिल होता है। विमानन उद्योग में ऐसी कमियां अक्सर होती रहती हैं और इसको लेकर कई बार उपभोक्ताओं ने एयरलाइनों को आड़े हाथ लिया है। पिछले अंक में हमने बताया था कि किसी एयरलाइन द्वारा बोर्डिंग से इनकार करने और फ्लाइट के रद्द होने पर यात्री के क्या अधिकार हो सकते हैं और वे किस तरह से मुआवजे के लिए दावा कर सकते हैं। इस बार के अंक में हम हवाई यात्रियों के कुछ और अधिकारों की बात करेंगे।

व्हीलचेयर से इनकार करने पर दिव्यांग और/या कम गतिशीलता वाले व्यक्तियों के लिए नागरिक विमानन महानिदेशालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार एयरलाइनों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि व्हीलचेयर की जरूरत वाले यात्रियों को प्रस्थान टर्मिनल से विमान तक और यात्रा के अंत में विमान से आगमन टर्मिनल निकास तक बिना किसी अतिरिक्त खर्च के निर्बाध यात्रा मिले। साल 2019 में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीआरडीसी) ने एक वरिष्ठ नागरिक दंपती को 5 लाख रुपए का मुआवजा दने का आदेश पारित किया था, जिनकी सीट बदल दी गई थी और उन्हें व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं कराई गई थी। हाल ही में डीजीसीए ने एयर इंडिया पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया, क्योंकि वह 80 वर्षीय एक यात्री को व्हीलचेयर उपलब्ध कराने में विफल रहा था। इस वजह से उसे विमान से टर्मिनल तक पैदल चलना पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई थी।

सामान गुम हो जाने पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सामान के खो जाने के मामलों में मॉन्ट्रियल कन्वेंशन के तहत कार्रवाई की जाती है। घरेलू उड़ानों में यह कैरिज बाय एयर एक्ट, 1972 के तहत संचालित होता है। दोनों ही स्थितियों में एयरलाइंस की जिम्मेदारी सीमित होती है। इसलिए विदेश यात्रा करते समय यात्रा बीमा लेना बेहतर है। आमतौर पर जब सामान गंतव्य एयरपोर्ट पर नहीं पहुंचता है तो एयरलाइंस उसे अगली उपलब्ध फ्लाइट के माध्यम से यात्री के पते पर पहुंचा देती हैं। हालांकि अगर सामान का पता नहीं चल पाता है या वह गुम जाता है तो उपभोक्ता को एयरलाइन से मुआवजा मिल सकता है। जुलाई 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीडीआरसी के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें एयर इंडिया द्वारा एक यात्री का सामान खोने पर 2.03 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया गया था। इस मामले में यात्री ने सामान की शॉपिंग रसीदें दिखाई थीं, क्योंकि वह एक शादी में शामिल होने के लिए यात्रा कर रहा था। हालांकि इससे पहले एयरलाइन ने उसे नियमों के तहत महज 3,600 रुपए का मुआवजा देने की पेशकश की थी।

तकनीकी कारणों का बहाना 'तकनीकी कारणों से उड़ान में देरी हो गई', विमानन उद्योग में इस तरह के बहाने आम हैं। एयरलाइंस कंपनी शायद ही कभी बताती है कि वे तकनीकी कारण क्या हैं। जब एक एयरलाइन पर फ्लाइट में देरी, जिसके कारण कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई थी, की वजह से मुकदमा किया गया तो एयरलाइन ने देरी के लिए 'तकनीकी कारण' को जिम्मेदार ठहराया। एनसीडीआरसी ने माना कि हवाई अड्डों पर प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों के समक्ष देरी और डायवर्जन के लिए तकनीकी कारणों का हवाला देना आम हो सकता है, लेकिन अगर कोई एयरलाइन कंपनी किसी उपभोक्ता अदालत में उपस्थित हो रही है तो उसे 'तकनीकी कारण' जैसा सामान्यीकृत बयान देने के बजाय ऐसे कारणों का विस्तृत विवरण देना चाहिए। इसने स्पष्ट रूप से कहा कि एयरलाइनें तकनीकी वजहों की आड़ में अपनी अक्षमताएं नहीं छिपा सकतीं। एयरलाइन्स उन फंसे हुए यात्रियों की देखभाल करने के लिए बाध्य हैं, जो देरी के कारण कनेक्टिंग फ्लाइट से चूक गए हैं, और तदनुसार आयोग ने मुआवजा देने का आदेश दिया।

गेट पर न आने पर बोर्डिंग पास जारी होने के बाद यात्रियों से बोर्डिंग गेट की ओर बढ़ने और बोर्डिंग गेट बंद होने से पहले रिपोर्ट करने की अपेक्षा की जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई यात्री बोर्डिंग पास जारी होने के बाद बोर्डिंग से चूक जाता है तो इसकी जिम्मेदारी एयरलाइनों की नहीं है। एनसीडीआरसी ने एक अलग फैसले में स्पष्ट किया है कि ऐसी परिस्थितियों में एयरलाइन को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

सोने-चांदी ने बनाया एक और नया रिकॉर्ड, कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचीं

मुंबई, एजेंसी। अमेरिकी डॉलर की लगातार कमजोरी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के बीच मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतें नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं।

दिन के शुरुआती कारोबार में सोना 2.4 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,59,820 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया, जो अब तक का सबसे हाई स्तर है। हालांकि बाद में मुनाफावसूली के कारण कीमतों में थोड़ी गिरावट आई। वहीं चांदी पिछले सभी रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 3,59,800 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया, जो अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है।

हालांकि खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 10.47 बजे) एमसीएक्स पर फरवरी कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना 1.45 प्रतिशत या 2,270 रुपए की उछाल के साथ 1,58,307 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं मार्च कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी 4.84 प्रतिशत यानी 16,197 रुपए की तेजी के साथ 3,50,896 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोना और चांदी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए। दुनिया में बढ़ते तनाव के कारण निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में सोना-चांदी की ओर बढ़ रहे हैं।

अमेरिका में सरकारी कामकाज बंद होने की आशंका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 25 प्रतिशत नए टैरिफ की धमकियों ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। ट्रंप ने दक्षिण कोरिया की कारों, लकड़ी और दवाइयों के आयात पर टैरिफ लगाने की बात कही है। साथ ही उन्होंने कनाडा को

चेतावनी दी है कि अगर वह चीन से समझौता करता है तो उस पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। अमेरिका में अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव करीब 1 प्रतिशत बढ़कर 5,113.70 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस पर पहुंच गए। इस दौरान डॉलर इंडेक्स 0.1 प्रतिशत कमजोर हुआ, जिससे विदेशी निवेशकों के लिए सोना सस्ता हो गया।

लगातार सुरक्षित निवेश की मांग, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद और दुनिया भर में नरम मौद्रिक नीतियों की उम्मीद से कीमतों को सहारा मिल रहा है। वहीं कॉमेक्स चांदी 99 डॉलर के स्तर को पार कर गई है और नए रिकॉर्ड बना रही है। इस हफ्ते अमेरिका में फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की दो दिन की बैठक होने वाली है। उम्मीद है कि फिलहाल ब्याज दरें नहीं बदली जाएंगी, लेकिन साल के अंत तक कम से कम दो बार दरों में कटौती की उम्मीद की जा रही है।

मेहता इक्विटीज लिमिटेड के कमोडिटी विशेषज्ञ राहुल कलंत्री ने कहा कि बाजार की नजर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले पर है। राजनीतिक दबाव की चर्चाओं ने सोना और चांदी जैसे कीमती धातुओं में निवेश को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सोने को 1,57,050 से 1,55,310 रुपए के बीच सपोर्ट मिल सकता है, जबकि ऊपर की ओर 1,59,850 और 1,62,950 रुपए पर रेजिस्टेंस है। चांदी के लिए 3,38,810 और 3,22,170 रुपए सपोर्ट स्तर हैं, जबकि 3,55,810 और 3,62,470 रुपए पर रेजिस्टेंस मानी जा रही है। एक अन्य विश्लेषक का अनुमान है कि आने वाले सत्रों में सोना 1,65,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 3,65,000 रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकती है।

हाल की रिपोर्ट के अनुसार, चांदी में तेज उछाल के बाद अब ऊंचे स्तरों पर स्थिरता या थोड़ी गिरावट भी देखने को मिल सकती है, क्योंकि निवेशक मुनाफावसूली कर सकते हैं।

केंद्र सरकार ने 3 .37 लाख मीट्रिक टन अरहर की खरीद को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र में पीएसएस पर 3.37 लाख मीट्रिक टन खरीद को मंजूरी दी है। यह जानकारी कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को दी गई।

मंत्रालय ने बयान में कहा कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में बैठक कर महाराष्ट्र में तूर (अरहर) की 3.37 लाख मीट्रिक टन खरीद, जिसकी एमएसपी राशि लगभग 2696 करोड़ रुपए है, को मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत स्वीकृति दे दी है। सरकार के द्वारा पीएसएस पर खरीदारी तब की जाती है, जब किसी फसल की कीमत एमएसपी से नीचे चली जाती है। मंत्रालय ने बताया, बैठक के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने राज्य के विपणन (मार्केटिंग) मंत्री जयकुमार रावल के साथ खरीद से संबंधित व्यवस्थाओं पर चर्चा की। उन्होंने नेफेड, एन.सी.सी.एफ. और राज्य के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान चौहान ने कहा कि तूर की खरीद के इस निर्णय से केंद्र सरकार को बड़ा वित्तीय भार वहन करना पड़ेगा, परंतु इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों के हित में पूरी तरह प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि खरीद सही तरीके से हो। किसानों से सीधी खरीद से ही बिचौलियों की सक्रियता कम होगी और लाभ वास्तविक किसान तक पहुंच पाएगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि नेफेड और एन.सी.सी.एफ. राज्य सरकार के समन्वय से खरीद प्रक्रिया संचालित करें, ताकि खरीद का लाभ वास्तविक किसानों तक पहुंच सके। आधुनिक तकनीक से पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए श्री चौहान ने कहा कि आधुनिकतम और कारगर प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए किसानों के पंजीकरण की उचित व्यवस्थाएं की जाएं। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवश्यकता होने पर खरीद केंद्रों की संख्या में इजाफा किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और खरीद व्यवस्था पारदर्शी और प्रभावी रहे।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता : ट्रंप टैरिफ के बीच भारत की आक्रामक कूटनीति, वैश्विक मंच पर कमजोर पड़ेगा अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। लंबे समय तक जिस वैश्विक आर्थिक ढांचे में अमेरिका केंद्रीय भूमिका में रहा, अब उसी ढांचे में बड़ी आर्थिक ताकतें आपसी समझौतों से अपनी राह खुद तय करते दिख रही हैं। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच लगभग दो दशकों बाद हुआ मुक्त व्यापार समझौता इसी बदलाव का सबसे ठोस संकेत है।

यह डील भारत-ईयू संबंधों से आगे जाकर अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता, ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीति और उभरते वैश्विक शक्ति संतुलन पर सीधे असर डालती है। भारत-ईयू में हुए मुक्त व्यापार समझौते के तहत दोनों पक्ष एक-दूसरे के आयात पर चरणबद्ध तरीके से टैरिफ समाप्त करेंगे। सीएनबीसी के अनुसार, इससे भारत को यूरोप के विशाल-स्थिर बाजार तक आसान पहुंच मिलेगी, जबकि यूरोपीय कंपनियों को भारत जैसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजार में निवेश और निर्यात के नए अवसर मिलेंगे। यह समझौता भारत की आक्रामक व्यापार कूटनीति और ईयू की रणनीतिक विविधीकरण नीति का साझा परिणाम माना जा रहा है।

अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता पर सीधा असर

ईयू-भारत व्यापार समझौता अमेरिका-भारत समझौते को आगे बढ़ाने में नई जान फूंक सकता है। वॉशिंगटन में यह धारणा मजबूत हो रही है कि यदि अमेरिका भारत के साथ ठोस समझौता नहीं करता, तो नई वैश्विक व्यापार संरचना में उसकी पकड़ अब कमजोर पड़ सकती है।

बीस साल की जड़ता क्यों टूटी

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत करीब 20 वर्षों तक अटकी रही। कृषि, ऑटोमोबाइल, टैरिफ संरचना और नियामकीय मतभेद इसके प्रमुख कारण रहे। वर्ष 2024 में दोनों के बीच वस्तुओं का व्यापार 142.3 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो भारत के कुल व्यापार का 11.5% है, इसके बावजूद सहमति नहीं बन सकी। इस बार हालात इसलिए बदले क्योंकि वैश्विक स्तर पर अमेरिका की टैरिफ नीति ने कई देशो को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि वे केवल एक शक्ति केंद्र पर निर्भर नहीं रह सकतीं।

ट्रंप टैरिफ...दबाव की राजनीति और वैश्विक प्रतिक्रिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को केवल सौदेबाजी का हथियार नहीं, बल्कि दबाव और दंड की नीति के रूप में इस्तेमाल किया है। भारत पर कुल 50 प्रतिशत तक के अमेरिकी टैरिफ, जिनमें रूस से तेल खरीद बंद न करने पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क शामिल है, इसी रणनीति का उदाहरण हैं। यूरोपीय यूनियन भी इससे अछूता नहीं रहा,चाहे वह व्यापारिक टैरिफ हों या ग्रीनलैंड जैसे मुद्दों पर दी गई सख्त चेतावनियां। बीबीसी और सीएनबीसी के व्यापक विश्लेषण बताते हैं कि इसी अनिश्चितता ने भारत और यूरोपीय संघ को तेजी से एक-दूसरे के करीब आने के लिए प्रेरित किया।

आठ साल बाद चीन पहुंचे ब्रिटिश प्रधानमंत्री, कई समझौतों पर हस्ताक्षर की उम्मीद

बीजिंग। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की बीजिंग यात्रा के बाद अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी चीन पहुंच गए हैं। इस दौरान उन्होंने गुरुवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक की। पिछले आठ वर्षों में किसी ब्रिटिश प्रधानमंत्री की यह पहली चीन यात्रा है। इस यात्रा से दोनों देश लंबे समय से चली आ रही कड़वाहट को खत्म कर आपसी संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

कई अहम मुद्दे पर हुई बात

कीर स्टार्मर ने बीजिंग के 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' में शी जिनपिंग से बातचीत की। उम्मीद जताई जा रही है कि इस मुलाकात के बाद दोनों देश कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद स्टारमर का यह पहला चीन दौरा है। उनका मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश कंपनियों के लिए व्यापार के नए अवसर तलाशना है, क्योंकि इस समय ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था काफी धीमी चल रही है। इस यात्रा में उनके साथ 50 से ज्यादा बड़े कारोबारी और सांस्कृतिक संगठनों के नेता भी शामिल हैं। तनाव का कम करने की हो रही कोशिश

शी जिनपिंग से मिलने से पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने चीन की नेशनल पीपल्स कांग्रेस के चेयरमैन झाओ लेजी से भी मुलाकात की। पिछले कुछ वर्षों में ब्रिटेन और चीन के रिश्तों में काफी तनाव रहा है। ब्रिटेन में चीनी जासूसी की खबरें, यूक्रेन युद्ध में रूस को चीन का समर्थन और हॉन्गकॉन्ग में आजादी पर की गई कार्रवाई इसके मुख्य कारण रहे हैं।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद वैश्विक व्यापार में आई रुकावटों के चलते कई देश अपने व्यापार और निवेश को बढ़ाने के लिए विश्व के कई अन्य देशों की ओर देख रहे हैं। इसमें चीन भी शामिल है। कीर स्टार्मर इस महीने चीन का दौरा करने वाले अमेरिका के चौथे सहयोगी नेता हैं। उनसे पहले दक्षिण कोरिया, कनाडा और फिनलैंड के नेता भी बीजिंग जा चुके हैं। अगले महीने जर्मनी के चांसलर के भी चीन जाने की उम्मीद है।

आठ साल बाद चीन पहुंचे ब्रिटिश प्रधानमंत्री, कई समझौतों पर हस्ताक्षर की उम्मीद

बीजिंग। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की बीजिंग यात्रा के बाद अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी चीन पहुंच गए हैं। इस दौरान उन्होंने गुरुवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक की। पिछले आठ वर्षों में किसी ब्रिटिश प्रधानमंत्री की यह पहली चीन यात्रा है। इस यात्रा से दोनों देश लंबे समय से चली आ रही कड़वाहट को खत्म कर आपसी संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

कई अहम मुद्दे पर हुई बात

कीर स्टार्मर ने बीजिंग के 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' में शी जिनपिंग से बातचीत की। उम्मीद जताई जा रही है कि इस मुलाकात के बाद दोनों देश कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद स्टारमर का यह पहला चीन दौरा है। उनका मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश कंपनियों के लिए व्यापार के नए अवसर तलाशना है, क्योंकि इस समय ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था काफी धीमी चल रही है। इस यात्रा में उनके साथ 50 से ज्यादा बड़े कारोबारी और सांस्कृतिक संगठनों के नेता भी शामिल हैं।

तनाव का कम करने की हो रही कोशिश

शी जिनपिंग से मिलने से पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने चीन की नेशनल पीपल्स कांग्रेस के चेयरमैन झाओ लेजी से भी मुलाकात की। पिछले कुछ वर्षों में ब्रिटेन और चीन के रिश्तों में काफी तनाव रहा है। ब्रिटेन में चीनी जासूसी की खबरें, यूक्रेन युद्ध में रूस को चीन का समर्थन और हॉन्गकॉन्ग में आजादी पर की गई कार्रवाई इसके मुख्य कारण रहे हैं।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद वैश्विक व्यापार में आई रुकावटों के चलते कई देश अपने व्यापार और निवेश को बढ़ाने के लिए विश्व के कई अन्य देशों की ओर देख रहे हैं। इसमें चीन भी शामिल है। कीर स्टार्मर इस महीने चीन का दौरा करने वाले अमेरिका के चौथे सहयोगी नेता हैं। उनसे पहले दक्षिण कोरिया, कनाडा और फिनलैंड के नेता भी बीजिंग जा चुके हैं। अगले महीने जर्मनी के चांसलर के भी चीन जाने की उम्मीद है।

कोलंबिया में विमान हादसा : उड़ान के कुछ मिनट बाद हुआ क्रैश, वेनेजुएला के पास पहाड़ियों में समाईं 15 जिंदगियां

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित नोर्टे दे सांतांदेर प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में बुधवार को एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। यह विमान सरकारी एयरलाइन साटेना का था। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले प्रशासन को बताया कि विमान क्यूरासिका नाम के इलाके में गिरा है। इसके बाद तुरंत एक रेस्क्यू टीम को भेजा गया ताकि यात्रियों की स्थिति का पता लगाया जा सके। लेकिन जब टीम मौके पर पहुंची, तो कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि इस हादसे में कोई भी यात्री या क्रू मेंबर जीवित नहीं बचा। जानकारी के मुताबिक, विमान ने सुबह 11:42 बजे कुकूता शहर के एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उसे ओकान्या शहर जाना था, जो पहाड़ियों से घिरा हुआ इलाका है। आमतौर पर यह सफर करीब 40 मिनट में पूरा हो जाता है। उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूट गया। इस घटना के दौरान विमान में कुल 15 लोग सवार थे, जिनमें दो क्रू मेंबर और13 यात्री शामिल थे। इन यात्रियों में एक प्रमुख नाम डायोजेनेस क्विंटेरो का भी था, जो अपने इलाके में आंतरिक सशस्त्र संघर्ष के पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करते थे। उनकी मौत को लेकर स्थानीय लोगों में काफी दुख और चिंता है। विमान का रजिस्ट्रेशन नंबर HK4709 बताया गया है। अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि हादसा किन कारणों से हुआ। जांच एजेंसियां इसकी जांच करेंगी कि तकनीकी खराबी थी, मौसम की वजह से हुआ या कोई और कारण था।

'हमारे बीच सब ठीक', राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात कर बोले शशि थरूर

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस से तनातनी की अटकलों के बीच तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की है। यह मुलाकात संसद भवन में लगभग 90 मिनट तक हुई। मीटिंग के बाद थरूर ने पत्रकारों से कहा, 'हमारी बहुत अच्छी, रचनात्मक और सकारात्मक बातचीत हुई। सब कुछ ठीक है और हम सब एक ही पेज पर आगे बढ़ रहे हैं।'

बताया जा रहा है कि शशि थरूर ने ही राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मिलने का समय मांगा था ताकि वे अपने विचार और चिंताएं बता सकें। यह भी कहा जा रहा है कि चुनाव से पहले पार्टी इन शिकायतों को दूर करने की कोशिश करेगी।

पिछले साल अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद थरूर के कांग्रेस के साथ संबंध तेजी से खराब होते दिखे। तिरुवनंतपुरम से चार बार के लोकसभा सांसद ने प्रधानमंत्री द्वारा संकट से निपटने के तरीके की जमकर तारीफ की थी, जिस पर कांग्रेस नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। इनमें से कई नेताओं ने थरूर पर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का न्योता पाने की कोशिश करने का ताना भी मारा था।

पीएम मोदी की तारीफ कर निशाने पर आए थरूर

इसके अगले कुछ महीनों में रिश्ते और खराब होते दिखे, जिनमें नवंबर 2025 की दो घटनाएं शामिल हैं। पहली घटना तब हुई जब थरूर एक प्राइवेट इवेंट में गए जहां प्रधानमंत्री बोल रहे थे और फिर उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'यह भाषण एक आर्थिक आउटलुक और सांस्कृतिक बदलाव का आह्वान था, जो देश को तरक्की के लिए बेचैन होने के लिए प्रेरित करता है।' कांग्रेस की सुप्रिया श्रीनेत और संदीप दीक्षित ने इस पर पलटवार करते हुए भाषण को बकवास बताया और थरूर की टिप्पणियों पर सवाल उठाए। नवंबर में दूसरी घटना 'इंडियन पॉलिटिक्स आर ए फैमिली बिजनेस' नाम के एक आर्टिकल की थी। इसमें कांग्रेस जैसी परिवार-आधारित पार्टियों की आलोचना की गई थी, जो पार्टी को बिल्कुल पसंद नहीं आई।

अमेरिका से तनाव के बीच ईरान के उच्च अधिकारी पहुंचे भारत, डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर से कई मुद्दों पर हुई चर्चा

मुंबई, एजेंसी। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारीजानी ने भारत के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पवन कपूर से मुलाकात की है। यह मुलाकात मुंबई में हुई, जिसकी जानकारी ईरान के मुंबई स्थित महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। दूतावास की ओर से जारी पोस्ट में कहा गया कि अली लारीजानी और पवन कपूर के बीच विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत बातचीत हुई।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के जरिए ईरान को फिर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि एक विशाल अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा तेजी से आगे बढ़ रहा है, जो वेनेजुएला की ओर पहले भेजे गए बेड़े से भी बड़ा है। ट्रंप ने जोर देते हुए कहा कि अमेरिकी बल पूरी तरह

तैयार और सक्षम हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपना मिशन पूरा करेंगे।

ट्रंप ने ईरान से बातचीत की मेज पर लौटने की अपील करते हुए उम्मीद जताई कि तेहरान जल्द ही एक निष्पक्ष समझौते पर सहमत होगा, जिसमें परमाणु हथियार शामिल न हों। उन्होंने चेतावनी दी कि समय तेजी से समाप्त हो रहा है और स्थिति बेहद गंभीर होती जा रही है। पूर्व घटनाओं का उल्लेख करते हुए ट्रंप ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर का भी जिक्र किया और इसे ईरान के लिए भारी विनाशकारी करार दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी नया टकराव इससे कहीं अधिक गंभीर परिणाम ला सकता है।

ईरान ने संयुक्त राष्ट्र में अपने मिशन के माध्यम से प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह आपसी सम्मान और पारस्परिक हितों के आधार पर वॉशिंगटन के साथ बातचीत के लिए तैयार है। हालांकि, एक अलग बयान में तेहरान ने स्पष्ट किया कि यदि उस पर दबाव डाला गया तो वह पूरी मजबूती से अपना बचाव करेगा और पहले कभी न देखे गए तरीके से जवाब देगा।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने भी क्षेत्र में अपनी तैयारियों की जानकारी दी है। सेंटकॉम के अनुसार, क्षेत्र में कर्मियों की तैनाती बढ़ाने, क्षेत्रीय साझेदारों के साथ सहयोग मजबूत करने और किसी भी स्थिति में लचीली प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित करने पर काम किया जा रहा है। हाल ही में सेंटकॉम प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर और इजरायली रक्षा बलों के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल आयल जमीर के बीच भी बैठक हुई थी, जिसमें दोनों देशों के रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की गई। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि अमेरिका तेहरान की हर गतिविधि पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

'भाबीजी घर पर हैं' फिल्म का ट्रेलर रिलीज, दो भोजपुरी स्टार्स की हुई एंट्री, कॉमेडी के साथ लगेगा हॉरर का तड़का

पिछले लगभग एक दशक से टीवी का लोकप्रिय शो 'भाबीजी घर पर हैं' अब एक फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रहा है। पिछले साल निर्माताओं ने इस लोकप्रिय सिटकॉम पर आधारित एक फीचर फिल्म की घोषणा करके प्रशंसकों को चौंका दिया था। अब इंतजार खत्म हुआ और निर्माताओं ने आज फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। इसमें रवि किशन और मुकेश तिवारी की नई एंट्री हुई है, जबकि दिनेश लाल यादव निरहुआ की भी झलक दिखती है।

ट्रेलर की शुरुआत ही होती है फेमस डायलॉग 'भाबीजी घर पर हैं' से। ट्रेलर की शुरुआत में ही नजर आते हैं विभूति नारायण (आसिफ शेख) और मनमोहन तिवारी (रोहिताश गौर) के साथ। इसके बाद शुरू में ही ट्रेलर में रवि किशन और शुभांगी आत्रे की भी झलक दिखती है। इसके बाद सीरियल की तरह यहां भी ये दोनों किरदार हमेशा की तरह मजेदार बहाने बनाते हुए एक-दूसरे की पत्नियों के करीब रहने के तरीके खोजते नजर आते हैं। विभूति अपने खास मजाकिया अंदाज में अंगूरी तिवारी के पास दूध मांगने जाता है, जबकि मनमोहन तिवारी अन्नू मिश्रा (विदिशा श्रीवास्तव) से कुछ चीनी उधार लेने के लिए जाते हैं। विभूति कहते हैं, 'दूधवाले के पास दूध खत्म हो गया था, तो मैंने सोचा कि क्या भाभी जी मुझे थोड़ा दूध दे सकती हैं।' कुछ देर बाद मनमोहन तिवारी को यह कहते हुए सुना जाता है, 'घर में चीनी खत्म हो गई है, तो मैंने सोचा कि क्या मैं भाभी जी से थोड़ी उधार ले सकता हूं।'

इसके बाद ट्रेलर में एंट्री होती है रवि किशन और मुकेश तिवारी की। दोनों फिल्म में गुंडे बने हुए हैं। प्यार को तलाश रहे ये दोनों अंगूरी और अन्नू के प्यार में पड़ जाते हैं। इसके बाद शुरू होता है असली हंगामा। ट्रेलर में एक सीन में ये दोनों गुंडे विभूति और मनमोहन तिवारी को बंदूक की नोक पर धमकाते हैं और उनकी बीवियों को जबरन शादी के लिए मजबूर करते हैं। इस फिल्म को हॉरर-कॉमेडी बनाने का प्रयास किया गया है। ट्रेलर में दिखता है कि अंगूरी भाभी पर अचानक भूत आ जाता है। इसके साथ ही ट्रेलर खत्म होता है। ट्रेलर में सीरियल के कई लोकप्रिय किरदार भी नजर आते हैं। जिनमें सानंद वर्मा सक्सेना के रूप में, योगेश त्रिपाठी दारोगा हप्पू सिंह के रूप में और सोमा राठौड़ रामकली तिवारी के रूप में शामिल हैं।

शशांक बाली द्वारा निर्देशित इस फिल्म को शशांक ने रघुवीर शेखावत और संजय कोहली के साथ मिलकर लिखा है। यह फिल्म 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। देखना ये है कि टीवी पर लोकप्रिय होने के बाद पर्दे पर 'भाबीजी घर पर हैं' क्या कमाल दिखा पाती है।

किंग की रिलीज डेट आउट, क्रिसमस 2026 पर एक्शन के साथ दहाड़ेंगे शाहरुख खान

शाहरुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म किंग की रिलीज डेट का इंतजार खत्म हो गया है। शाहरुख खान के बर्थडे पर फिल्म का टीजर रिलीज हुआ थी और इसके बाद से फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार किया जा रहा था । शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर आकर फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार खत्म कर दिया है। शाहरुख ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर एक धांसू टीजर भी जारी किया है। फिल्म किंग साल 2026 में रिलीज होगी।

शाहरुख खान ने फिल्म किंग की रिलीज डेट का एलान किया है। शाहरुख ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म किंग का एक एक्शन टीजर जारी किया है और जिसमें वह बर्फीली पहाड़ी में दिख रहे हैं। इसी के साथ शाहरुख का चेहरा खून से लथपथ हो रहा है और वह विलेन को पंच मारते दिख रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट की बात करें को किंग 24 दिसंबर 2026 में रिलीज होगी। यानी इस क्रिसमस पर फिल्म किंग बहुत बड़ा धमाका करने जा रही है। इस पोस्ट को शेयर कर शाहरुख खान ने लिखा है, किंग 24।12।2026 को दहाड़ने के लिए तैयार है। अब शाहरुख के फैंस के बीच किंग रिलीज डेट से हल्ला मचने वाला है।

रिपोर्ट्स की मानें तो, इस फिल्म से शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी। वहीं, शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण एक बार फिर रोमांस करते दिखेंगे। इनके अलावा फिल्म में अभय वर्मा, अरशद वारसी, अभिषेक बच्चन, जयदीप अहलावत और राघव जुयाल समेत कई बेहतरीन कलाकार हैं। अफवाहें यह भी हैं कि रानी मुखर्जी, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, सौरभ शुक्ला, अक्षय ओबेरॉय और करणवीर मल्होत्रा फिल्म का हिस्सा होंगे। फिल्म का निर्देशन पठान के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने किया है।

बॉक्स ऑफिस पर बॉर्डर 2 ने पार किया 70 करोड़ आंकड़ा, टाइगर जिंदा है को दी पटखनी

सनी देओल की नई फिल्म बॉर्डर 2 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई। अनुराग सिंह की निर्देशित, यह फिल्म भारत की सशस्त्र सेनाओं के असली ऑपरेशन्स पर आधारित है। यह फिल्म जबरदस्त फ्रंटलाइन एक्शन और जवानों के बलिदान को दिखाती है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग की। वहीं, शनिवार यानी रिलीज के दूसरे दिन इसके कलेक्शन में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। ओपनिंग डे के बाद दूसरे दिन भी बॉर्डर 2, सुल्तान को चारों खाने चित कर दिया।

बॉर्डर 2 में सनी देओल लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर के रूप में नजर आए हैं, जो सैनिकों का नेतृत्व करते हैं। उनका अभिनय पिछली फिल्म की याद दिलाता है। दिलजीत दोसांझ ने फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों का किरदार निभाया है, जबकि अहान शेट्टी ने नेवी ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर जोसेफ नोरोन्हा का किरदार निभाया है। इनकी मौजूदगी एयर फोर्स और नेवी को जमीनी लड़ाई से जोड़ती है।

वरुण धवन ने मेजर होशियार सिंह दहिया का किरदार निभाया है, जो एक बड़े युद्ध वाले रोल में नजर आए हैं। दिलचस्प बात यह है कि बॉर्डर 2 को अच्छे रिव्यू मिले हैं और यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

बॉर्डर के सीक्वल ने पहले ही दिन शानदार कमाई की। मेकर्स के अनुसार, बॉर्डर 2 ने पहले दिन 32।10 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। ये आंकड़े पिछले साल रिलीज हुई विक्की कौशल की फिल्म छावा (31 करोड़ रुपये) और रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर (28 करोड़ रुपये) जैसी फिल्मों को पार कर गई। इसी के साथ बॉर्डर 2 इस साल की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्मों में से एक बन गई है।

शनिवार को फिल्म की कमाई में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली। मेकर्स द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार, बॉर्डर 2 ने दूसरे दिन लगभग 40।59 करोड़ रुपये कमाए है। इसके साथ, घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बॉर्डर 2 का कुल कलेक्शन 72।69 करोड़ रुपये हो गया है। यह बढ़ता हुआ ट्रेंड बताता है कि फिल्म को छुट्टियों के मौसम और पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ का फायदा मिला है, खासकर फैमिली ऑडियंस और वॉर ड्रामा के फैंस के बीच। उम्मीद है कि यह फिल्म वीकेंड पर 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी।

ओपनिंग डे के बाद बॉर्डर 2 दूसरे दिन भी धुरंधर को पछाड़ दिया। इसके अलावा इसने सलमान खान ब्लॉकबस्टर फिल्म सुल्तान को भी पीछे छोड़ दिया है। धुरंधर ने रिलीज के दूसरे 32 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया था, जबकि टाइगर जिंदा है ने पहले शनिवार को 35।3 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था।

अनुराग सिंह की निर्देशित, बॉर्डर 2 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म युद्ध के दौरान भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के मिले-जुले प्रयासों पर केंद्रित है। कलाकारों की पूरी टीम की कहानी में जान डालने और इमोशनल पल लाने के लिए तारीफ की गई है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti।com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com